विराट कोहली
- 102 रन
- 93 गेंद
- 2 छक्के
- 7 चौके

ऋतुराज गायकवाड़
- 105 रन
- 83 गेंद
- 2 छक्के
- 12 चौके

- भारतीय टीम ने लगातार 20वें वनडे में टॉस गंवाया
- साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का किया फैसला

इंडिया का शानदार आगाज, विराट-गायकवाड़ का शतक खड़ा किया विशाल स्कोर

जोश, जुनून और रोमांच में डूबा रहा रायपुर

टीम इंडिया ने महफिल लूटी पर हाथ से 'जीत' छूटी...

अफ्रीका ने भारत को चार विकेट से हराया

शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं रहा। मैच के दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रति दर्शकों की दीवानगी देखते ही बनती थी। करीब 65 हजार दर्शकों की भीड़ में 50 हजार से ज्यादा लोग विराट और रोहित की जर्सी पहने नजर आए, जिससे पूरा स्टेडियम 'ब्लू सी' में तब्दील हो गया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ की शतकों पर पानी फेरते हुए भारत को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। भारत ने 358 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसे दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट से मैच जीत लिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टीम इंडिया की बल्लेबाज़ी ने पहले ही ओवर से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। रोहित शर्मा के आउट होने के बाद विराट कोहली ने ताबड़तोड़ शतक लगाकर रायपुर के फैंस का दिल जीत लिया। मैदान पर हर तरफ 'कोहली-कोहली' की गूंज सुनाई दे रही थी। मैच देखने बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांग और युवा बड़ी संख्या में पहुंचे। सभी वर्गों के लोगों ने क्रिकेट का भरपूर आनंद लिया। रोहित और विराट के हर शॉट पर स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। इस ऐतिहासिक मैच ने रायपुर में क्रिकेट की लोकप्रियता को एक नई ऊंचाई दी है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

मैच में प्रमुख अतिथियों की मौजूदगी

मैच के दौरान अतिथि के रूप समें बीसीआई से उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, देवाजित सैकिया, बीसीआई के संयुक्त सचिव प्रभजीत भाटिया, पूर्व भारतीय खिलाड़ी प्रज्ञान ओझा, छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के डायरेक्टर बलदेव सिंह भाटिया और संजय बांगड़ इस अवसर पर मौजूद रहे।

मैच में कमेंट्री करते नजर आए रवि शास्त्री और शोएन पोलक

कमेंट्री टीम ने दर्शकों को हर पल से रूबरू कराते हुए मैच का मजा दुगना कर दिया। कमेंट्री टीम में रवि शास्त्री, शोएन पोलक, मुरली कार्तिक, हर्षा भोगले शामिल थे।

विराट के पास पहुंचा फैन कंधे में उठाकर किया बाहर।

विराट ने तोड़े 3 बड़े रिकॉर्ड

- विराट कोहली ने अपने अधिकांश वनडे करियर में नंबर-3 पर बैटिंग की है। वो अब वनडे क्रिकेट में नंबर-3 पर बैटिंग करते हुए 46 शतक लगा चुके हैं, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उनसे पहले तीसरे क्रम पर बैटिंग करते हुए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भारत के ही सचिन तेंदुलकर के नाम था।
- विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 वनडे मैच खेले हैं, जिनकी 31 पारियों में उन्होंने 1741 रन बना लिए हैं। वो वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।
- रायपुर ऐसी 34वीं जगह है, जहां विराट कोहली ने वनडे शतक लगाया है। सबसे ज्यादा अलग-अलग मैदानों पर शतक लगाने के मामले में अब विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। सचिन तेंदुलकर ने भी अपने वनडे करियर में 34 अलग-अलग जगहों पर शतक लगाया था।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत की जर्सी का अनावरण

रायपुर। टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान किया गया। टी20 विश्व कप का 10वां चरण भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर सात फरवरी से आठ मार्च तक आयोजित किया जाएगा। भारत को ग्रुप ए में उसके पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत सात फरवरी को मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ करेगा।

आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹96862/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹118300/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹129136/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

विक्रम भारत में बैंक ऑफ अमेरिका के नए सीईओ

मुंबई। विक्रम साहू भारत में बैंक ऑफ अमेरिका के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी होंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने साहू की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। साहू, काकू नखाते की जगह लेंगे। काकू नखाते ने पिछले 15 वर्ष देश में बैंक का संचालन संभाला। आंतरिक ज्ञापन में कहा गया है कि आरबीआई ने साहू की नियुक्ति को मंजूरी दी है। साहू इस साल की शुरुआत में भारतीय शाखा की समग्र नेतृत्व जिम्मेदारी संभाल चुके थे।

दो कॉलेजों को बम की धमकी भरे ई-मेल

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों को बुधवार को बम की धमकी भरी ई-मेल मिलने के बाद बड़े पैमाने पर सुरक्षा जांच की गई और विद्यार्थियों को परिसर से बाहर निकाला गया, हालांकि बाद में बम की धमकी अफवाह निकली। राष्ट्रीय राजधानी के उत्तरी हिस्से में स्थित रामजस कॉलेज और दक्षिण में स्थित देशबंधु कॉलेज को परिसर में बम रखे होने की धमकियां मिलीं।

बिजली में एक और राहत | मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में कैबिनेट का फैसला

अब 400 यूनिट तक खपत वालों को भी बिल में 200 यूनिट तक 50 फीसदी की छूट

दो विधेयकों का किया गया अनुमोदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में राज्य के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिल में रियायत देने के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान राज्य के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने के लिए मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान राज्य में 01 दिसम्बर 2025 से लागू है, जिसके तहत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट से बढ़ाकर अब 200 यूनिट प्रति माह तक बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। यह लाभ 400 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ताओं को भी मिलेगा।

छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम, 2002 में स्थानीय लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों से क्रय को प्रोत्साहन देने तथा जेम पोर्टल में क्रय की स्पष्टता के लिए संशोधन किए जाने का निर्णय लिया गया। इन ▶▶| शेष पेज 6 पर

दो विधेयकों को मंजूरी

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 में संशोधन के लिए छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना संशोधन विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के रिफॉर्म्स और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम सूर्य घर पर सब्सिडी

गौरतलब है कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य शासन की ओर से सब्सिडी दी जा रही है, जिसके तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 15,000 रुपये तथा 2 किलोवॉट या उससे अधिक ▶▶| शेष पेज 6 पर

6 लाख उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा

राज्य में 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को अगले एक वर्ष तक 200 यूनिट तक बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। इससे 6 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, ताकि इस अवधि में वे अपने घरों में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करा सकें। इस तरह मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान से प्रदेश के 42 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। वहीं प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं को मिलेगा।

एयरपोर्ट पर चेक-इन सिस्टम में गड़बड़ी, तो कहीं क्रू मेंबर्स की परेशानी

देशभर के पांच राज्यों में 70 से ज्यादा उड़ानें रद्द!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के कई एयरपोर्ट्स पर बुधवार सुबह चेक-इन सिस्टम अचानक ठप हो गया, जिसके कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। देश के 5 राज्यों के पांच एयरपोर्ट पर बुधवार को कहीं तकनीकी तो कहीं क्रू मेंबर्स की कमी से 70 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुईं। इंडिगो एयरलाइन ने बताया कि क्रू मेंबर्स और ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतों की वजह से इंदौर में 11, हैदराबाद में 13, बेंगलुरु में 42 फ्लाइट कैंसिल हुईं या देरी से उड़ीं। दिल्ली में भी उड़ानों पर असर हुआ है। यहां चेक इन सिस्टम फेल होना बताया गया, जिसके बाद उसे मैन्युअल कर दिया गया। वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों ▶▶| शेष पेज 6 पर

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल

तकनीकी गड़बड़ी का सबसे बड़ा असर हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखने को मिला, जहां यात्रियों की भारी भीड़ एयरलाइन हेल्पडेस्क के सामने जमा हो गई। लोग टिकट और मोबाइल फोन उठाकर स्टाफ से उड़ानों की जानकारी मांगते दिखे।

बेंगलुरु और दिल्ली एयरपोर्ट भी प्रभावित

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर भी कई उड़ानें देरी से चलीं। कम से कम 4 उड़ानें लेट अराइवल के कारण देरी का शिकार हुईं और इंडिगो की कई सेवाएं परिचालन कारणों से रद्द करनी पड़ीं। कुल मिलाकर एयरलाइन ने आज 42 उड़ानें रद्द कीं, जिनमें 22 अराइवल और 20 डिपार्चर शामिल रहीं। दिल्ली एयरपोर्ट ने भी सोशल मीडिया पर एडवाइजरी जारी कर कहा कि कुछ घरेलू एयरलाइंस परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही हैं, जिससे शेड्यूल प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पिछले महीने भी आई थी दिक्कत

पिछले महीने दिल्ली एयरपोर्ट पर भी ऐसा ही तकनीकी संकट आया था, जब एएमएसएस सिस्टम में खराबी के कारण 800 से ज्यादा उड़ानें देर से चली थीं। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को मैनुअली फ्लाइट प्लान बनाने पड़े थे, जिससे काम की गति काफी धीमी हो गई थी।

एयरलाइंस ने दिया अपडेट

एयर इंडिया ने बताया कि थर्ड-पार्टी सिस्टम पूरी तरह बहाल कर दिया गया है। सभी एयरपोर्ट्स पर चेक-इन सामान्य रूप से चल रहा है। इंडिगो ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से तकनीकी दिक्कतों, भीड़भाड़ और ऑपरेशनल आवश्यकताओं की वजह से देरी और कैंसलेशन बढ़े हैं। प्रभावित यात्रियों को विकल्प उड़ान या रिफंड की सुविधा दी जा रही है।

राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्राः 4-5 दिसंबर

78 साल पुराने संबंधों को मोदी और पुतिन देंगे नया आयाम

कई क्षेत्र में लिखेंगे सहयोग व साझेदारी की नई इबारत

किरिल नोविकोव पहले रूसी राजदूत बनकर दिल्ली एयरपोर्ट पर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ आए। 21 दिसंबर 1947 को भारत ने विजय लक्ष्मी पंडित को पहला राजदूत बनाया था।

7 जून 1955 पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू पहली बार मॉस्को पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव और रूस के सबसे बड़े नेता निकिता ख्रुश्चेव ने किया था।

27 मार्च 1960 को पीएम नेहरू दूसरी बार सोवियत संघ गए। इस दौरान सोवियत राजदूत इवान बेनेडिक्टोव और उनकी पत्नी ने नेहरू को भेंट स्वरूप गाय की रस्सी थमाई।

9 अगस्त 1971 को पीएम इंदिरा गांधी से दिल्ली में रूस के कद्दावर नेता और विदेश मंत्री आंद्रेई ग्रॉमिको से मुलाकात हुई थी। इसी वक्त भारत-रूस के बीच मित्रता संधि हुई थी।

26 नवंबर 1988 नई दिल्ली में सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव का पीएम राजीव गांधी ने स्वागत किया। दोनों नेताओं ने 'दिल्ली घोषणापत्र' जारी किया।

25-26 जनवरी 2007 को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए। तत्कालीन भारतीय पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के साथ उन्होंने परमाणु ऊर्जा के लिए तकनीक और संसाधन देने पर एमओयू किया।

सेंट्रल डेस्क, भोपाल की प्रस्तुति

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 साल बाद भारत के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर नई दिल्ली आएंगे। पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत में रहेंगे। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी बातचीत होगी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके सम्मान में रात्रिभोज देंगी। इससे पहले वे 6 दिसंबर 2021 को 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे। भारत और रूस के बीच एक विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है और दोनों ही राष्ट्र कई अहम मौकों पर एक-दूसरे के साथ खड़े हुए नजर आए हैं। राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा के दौरान भारत और रूस अतिरिक्त एस-400 सिस्टम और सुखोई-57 लड़ाकू विमानों को लेकर रक्षा समझौते पर बात आगे बढ़ा सकते हैं। रूस के कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग पर भी वार्ता हो सकती है। राष्ट्रपति पुतिन की ये यात्रा रूस और भारत को परमाणु ऊर्जा, रक्षा क्षेत्र, अंतरिक्ष, एआई, प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का अवसर प्रदान करेगी। बता दें, भारत का मास्को में एक दूतावास और 4 महावाणिज्य दूतावास सेंट पीटर्सबर्ग, व्लादिवोस्तोक, कजान और येकातेरिनबर्ग में हैं। वहीं, रूस का नई दिल्ली में एक दूतावास है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में 3 वाणिज्य दूतावास हैं।

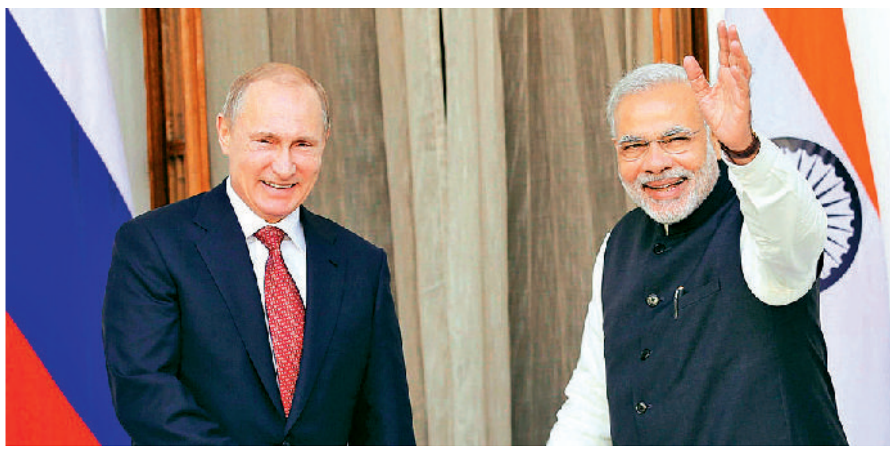

11 दिसंबर 2014 को व्लादिमीर पुतिन 15वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली आए थे

भारत और रूस के बीच राजनीतिक संबंध

1947: भारत की स्वतंत्रता से पहले, भारत और सोवियत संघ ने औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए।

1953: भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग में विस्तार और भारत के औद्योगिक संरचना की नींव की साक्षी है।

1971: दोनों देशों के बीच 'शांति, मैत्री और सहयोग की संधि' पर हस्ताक्षर हुए।

1991: सोवियत संघ के विघटन के बाद, रूस और भारत ने 1991 में द्विपक्षीय संबंध स्थापित किए।

2000: 'भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी घोषणा' पर हस्ताक्षर के बाद से दोनों देशों ने नियमित शिखर सम्मेलन आयोजित करना शुरू किया।

2010: इस साझेदारी को 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया गया।

12 साल में 20 बार मिले मोदी-पुतिन

- पीएम नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साल 2014 से लेकर अब कई बार भेंट की है, जिसमें द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन और बहुपक्षीय कार्यक्रमों से हटकर बैठकें शामिल हैं।
- 16 जुलाई 2014 में ब्राजील के फोर्टालेजा में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर उनकी पहली भेंट हुई।
- 1 सितंबर 2025 को 20वीं बार दोनों नेताओं ने चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर द्विपक्षीय बैठक की।

वास्को डिगामा से पहले आया निकितिन

1469 में रूसी व्यापारी भारत के दीव पहुंचा, दक्षिण तक गया

वास्कोडिगामा 20 मई 1498 को भारत आया था। उससे पहले 1469 में रूसी यात्री और व्यापारी अफनासी निकितिन एक घोड़े और अपनी डायरी के साथ भारत पहुंचा था। निकितिन का जन्म 1433 में वोल्गा नदी के तट पर स्थित शहर त्वेर में हुआ था। निकितन ने 1466 में त्वेर छोड़ दिया। वह पर्शिया (आज का ईरान) में घुसा, होरमुज पहुंचा और वहां से अरब सागर के रास्ते भारत पहुंचा। निकितिन की नाव सबसे पहले दीव पहुंची जिसके बाद वह गुजरात में खंबात पहुंचा। वह महाराष्ट्र की कुंडलिका नदी के मुहाने पर स्थित चौल बंदरगाह पहुंचा। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग शहर के दक्षिण में मुंबई से 110 किलोमीटर दूर स्थित चौल एक सामान्य गांव है।

3 साल तक भारत में रहा था

निकितिन तीन साल तक भारत में रहा। लौटते समय वह दाभोल से इथियोपिया गया, वहां से ईरान पहुंचा। इसके बाद उसने क्राइमिया और कीएव (मौजूदा यूक्रेन) से सड़क मार्ग से अपनी यात्रा जारी रखी। लेकिन 1472 में त्वेर पहुंचने से पहले ही रूस के स्मोलेंस्क में उसकी मौत हो गई। उसने अपनी यात्रा के बारे में एक डायरी में लिखा है। इस डायरी को 'खोजेनिये जात्रि मोर्या' यानी 'तीन सागरों के पार यात्रा' के नाम से जाना जाता है।

निकितिन के जीवन पर बनी थी भारतीय फिल्म परदेसी

भारत और रूसी फिलम निर्माताओं ने निकितिन नके जीवन पर एक फिल्म 'परदेसी' भी बनाई जिसे साल 1957 में रिलीज किया गया। ये फिल्म रूसी भाषा में रंगीन और हिंदी में ब्लैक एंड व्हाइट में रिलीज की गई थी। इस फिल्म में नरगिस, पृथ्वीराज कपूर, बलराज साहनी, पद्मिनी जैसे बड़े कलाकारों ने काम किया और रूसी अभिनेता ओलेग स्ट्रीजेना मुख्य भूमिका में थे।

41 साल बाद 1900 में खुला था रूस का पहला वाणिज्य दूतावास

भारत में एक राजनयिक मिशन को खोलने के लिए सबसे पहले रूसी अनुरोध नवंबर 1858 में किया गया था। 41 वर्ष बाद तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने रूस को भारत में अपना पहला वाणिज्य दूतावास 22 नवंबर, 1900 में बम्बई में खोलने के लिए अनुमति दी गई थी। 5 वर्ष बाद, इसे महावाणिज्य दूतावास के रूप में उन्नत किया गया था और 1910 में कलकत्ता स्थानांतरित कर दिया गया। सोवियत संघ और भारत गणराज्य के बीच राजनयिक संबंध 13 अप्रैल, 1947 को स्थापित हुए। यह तारीख ब्रिटिश शासन से आजादी मिलने की तारीख 15 अगस्त 1947 से कुछ माह पहले की है। इससे पहले भारतीय क्रांतिकारी कार्यकर्ता एम.एन. रॉय वीएल लेनिन के साथ 1920 में मास्को में भेंट की और 1920 के दौरान सोवियत नेताओं के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखा। जवाहर लाल नेहरू और उनकी बहन विजय लक्ष्मी पंडित ने उनके पिता मोतीलाल नेहरू के साथ, 1917 क्रांति की दसवीं सालगिरह के समारोह के लिए पहली बार 1927 में सोवियत संघ का दौरा किया था। 1902 दो स्टीमर लाइनों को शुरू किया गया जो भारत-रूस व्यापार सेवा में सहायक रहा। 1900-1901 में भारत में आयातित मिट्टी के तेल का 90 प्रतिशत से अधिक बाकू से बाटुमी के माध्यम से बंबई आया। उसी दौरान रूस भी ब्रिटिश के बाद भारतीय चाय का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार था।

23 साल में बदल गई तस्वीर

4 से 7 नवंबर 2001 को पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की रूस में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात हुई थी। इस दौरान रक्षा मंत्री जसवंत सिंह के साथ गुजरात के तत्कालीन सीएम और वर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी पीछे खड़े हैं।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने 9 जुलाई 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी को मॉस्को के ग्रैंड कैमलिन पैलेस में रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल प्रदान किया था।

आईआरआईजीसीः सरकारी मामलों का सेतु

भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी) के दो भाग हैं:- पहला- व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) जिसकी सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) और रूस के प्रथम डिप्टी पीएम करते हैं; दूसरा सैन्य एवं सैन्य-तकनीकी सहयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) जिसकी अध्यक्षता दोनों देशों के रक्षा मंत्री करते हैं। दिसंबर 2021 में, द्विपक्षीय सहयोग में एक नया आयाम जुड़ा जब पहली 2+2 वार्ता (दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्री) का आयोजन पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर-स्तरीय वार्ता के साथ हुआ। कुछ लोग इसे भारत-रूस संबंधों की संचालन समिति भी कहते हैं।

साल 2021 में दिल्ली में पीएम मोदी और पुतिन।

1975 से जारी है अंतरिक्ष सहयोग

1975 में सोवियत संघ के प्रक्षेपण वाहन से भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च किया गया। 1980 में रूस ने भारत को क्रायोजेनिक इंजन तकनीक प्रदान की। 1984 में राकेश शर्मा ने सोयुज टी-11 अंतरिक्ष यान में यात्रा कर अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने। वर्तमान में मानव अंतरिक्ष मिशन, भारत का गगनयान मिशन रूस के सहयोग से आगे बढ़ रहा है, जिसमें रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस द्वारा अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण और प्रमुख तकनीकों की सहायता प्रदान की जा रही है। भविष्य में दोनों दोनों देश अपनी-अपनी नेविगेशन प्रणालियों (भारत की नाविक और रूस की ग्लोनास) की सटीकता बढ़ाने के लिए आपसी सहमति से ग्राउंड स्टेशन स्थापित कर रहे हैं।

1984 में राकेश शर्मा ने रूस में अंतरिक्ष यात्रा का प्रशिक्षण लिया

परमाणु ऊर्जा में सहयोग

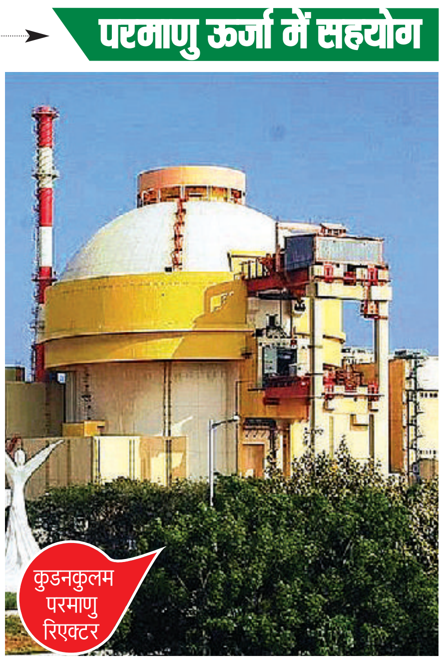

ऊर्जा क्षेत्र रूसी-भारतीय आर्थिक साझेदारी का मुख्य क्षेत्र बना हुआ है। तमिलनाडु राज्य में, कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र की इकाइयां 1 और 2 सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। इसमें रूस के वीवीईआर-1000 रिएक्टरों का उपयोग किया गया।
आगे क्याः *परमाणु ऊर्जा संयंत्र के दूसरे (इकाई 3 और 4) और तीसरे चरण (इकाई 5 और 6) का निर्माण कार्य योजना के अनुसार जारी है। नए स्थल पर वीवीईआर-1200 रिएक्टर इकाई वाले रूसी-डिजाइन वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण पर बातचीत चल रही है।*

इस्पात उद्योग में सहयोग

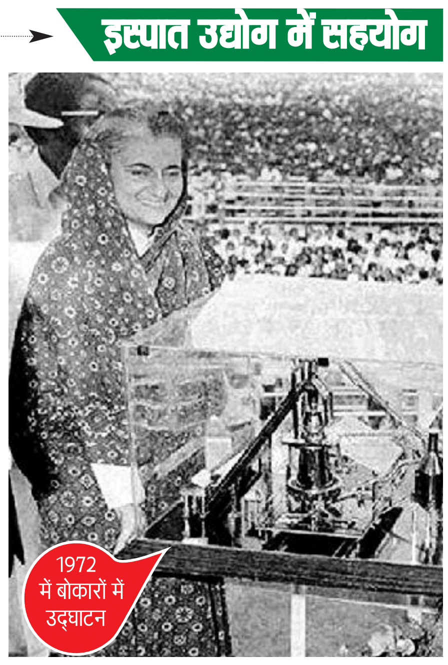

1955 में भिलाई इस्पात संयंत्र (भिलाई, छत्तीसगढ़) की, 1958 में हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (रांची, झारखंड) के तीन में से दो संयंत्रों की और 1964 में बोकारो इस्पात संयंत्र (बोकारो, झारखंड) की स्थापना सोवियत संघ की तकनीकी सहायता से हुई थी।
आगे क्याः *भारत और रूस मशीनरी और उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण में एक साथ काम करेंगे, खासकर उन क्षेत्रों में जहां रूसी निर्माताओं को पश्चिमी कंपनियों से आपूर्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस फिर से भारत के इस्पात आयात का शीर्ष स्त्रोत।*

रक्षा क्षेत्र में सहयोग

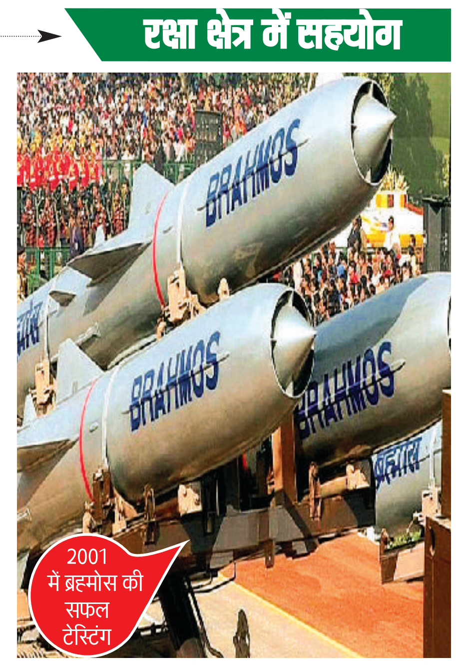

रूस की सहायता से भारत को हाल ही में कई शक्तिशाली हथियार मिले हैं, जिनमें भारत और रूस के सहयोग से निर्मित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और इग्ला-एस मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं।
आगे क्याः *भविष्य में भारत को एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम, सुखोई एसयू-57 और एयू-35 लड़ाकू विमान, ड्रोन से निपटने के लिए पैंटसिर मिसाइल सिस्टम, हवा से हवा में मार करने वाली आर-37एम मिसाइल शामिल है।*

व्यापार 68.72 बिलियन डॉलर

भारत और रूस के बीच वित्तीय वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 5 लाख 97 हजार करोड़ रुपए (68.72 बिलियन डॉलर) तक पहुंचा, जो रिकॉर्ड स्तर का था। इसमें भारत का निर्यात 4.88 बिलियन डॉलर रहा और रूस ने 63.84 बिलियन डॉलर आयात किया है।
आगे क्याः *अगले पांच वर्षों में दोनों देशों ने 100 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार करने का लक्ष्य रखा है। रूस , भारत को ऑयल, पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक, मिनरल फ्यूल्स, मिनरल वैक्स, कोयला, मशीनरी, स्टोन्स, मेटल्स, वुड, पल्प और पेपर प्रोडक्ट्स देता है।*

भविष्य के समझौते

रूस ने भारत के जहाज निर्माण और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में पहल की पेशकश की है। जहाजों के क्रू (चालक दल) को ट्रेनिंग देने और गहरे समुद्र में रिसर्च करने जैसे मुद्दों पर भी खास ध्यान दिया गया। रूस कच्चा तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बढ़ा सकता है। दोनों देश बैंकिंग क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करेंगे और बीमा क्षेत्र में भी परस्पर तालमेल बढ़ाएगें। महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग बढ़ाने, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार उपकरण, मशीनरी, चमड़ा, ऑटोमोबाइल और रसायन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समयबद्ध काम किए जाएंगे।

बिलासपुर
गुरुवार, 4 दिसंबर 2025
अगहन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
वर्ष: 25, अंक: 251
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य: 4.00***

मौसम
अधि. 27.6
न्यून. 14.1

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

7 गाबा में अपना विजय अभियान जारी...

विचार पेज
2 हथियारों की होड़ से मानवता पर खतरा

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

भारत में 200 देशों के 72,000 से अधिक छात्र

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि वर्तमान में लगभग 200 देशों के

कुल 72,218 विदेशी छात्र भारत में अध्ययन कर रहे हैं। शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठित संस्थान (आईओएफ) का दर्जा प्रदान करने के लिए शुरू की गई।

महिला ने चार बच्चों का दिया जन्म

इंदौर। इंदौर में एक दुर्लभ मामले में 29 वर्षीय एक महिला ने एक परमार्थिक अस्पताल में बुधवार को तीन लड़कियों समेत चार बच्चों को जन्म दिया। 29 वर्षीय इस महिला ने उनके अस्पताल में 'सिजेरियन ऑपरेशन' के जरिए चार बच्चों को जन्म दिया जिनमें एक लड़का और तीन लड़कियां हैं। जच्चा और चारों बच्चों की सलामती के लिए हमने सिजेरियन ऑपरेशन का फैसला किया।

कोल्ड्रिफ के प्रवर्तक की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में कम से कम 20 बच्चों की मौत के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार माने जा

रहे कफ सिरप कोल्ड्रिफ के निर्माता श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के प्रवर्तक के चेन्नई स्थित दो फ्लैट धनशोधन निरोधक कानून के तहत कुर्क कर लिए गए हैं। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के कोडम्बक्कम में स्थित ये संपत्तियां जी रंगनाथन और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं।

बांग्लादेशी को तीन करोड़ के सोने के साथ पकड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक बांग्लादेशी व्यक्ति 3.05 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के बिस्कुट के साथ गिरफ्तार किया गया। एक गुप्त सूचना के आधार पर जवानों ने मंगलवार दोपहर तुंगी सीमा चौकी के पास यह कार्रवाई की। शाम करीब पांच बजे दो लोगों को एक झील से होते हुए भारतीय सीमा की ओर आते और जलकुंभी (पानी की ऊपरी सतह में पौधे) की आड़ में छिपने की कोशिश करते देखा गया।

अभिनेता धर्मेंद्र की अस्थियां गंगा में विसर्जित

हरिद्वार। बॉलीवुड के 'ही मैन' धर्मेंद्र की अस्थियों को यहां गंगा में विसर्जित की गयीं। अस्थि विसर्जन

कर्म से मीडिया और आम लोगों को पूरी तरह से दूर रखा गया था। धर्मेंद्र (89) का 24 नवंबर को निधन हो गया था और मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया था। पुरोहित पंडित संदीप पाराशर श्रोत्रिय ने बताया कि हरकी पौड़ी पर धर्मेंद्र की अस्थियां विसर्जित की गयीं।

बीजापुर मुठभेड़ में मारा गया दुर्दांत नक्सली कमाण्डर वेल्ला उर्फ मंगू पोड़ियाम

बड़ी मुठभेड़, मारे गए 15 नक्सली, तीन जवान शहीद, अत्याधुनिक हथियार बरामद

पश्चिम बस्तर डिविजन क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत गंगालूर के जंगल में बुधवार सुबह से हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 15 वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराया है। भीषण मुठभेड़ में डीआरजी के तीन जवान शहीद हो गए, वहीं दो जवान घायल बताए जा रहे हैं। मुठभेड़ देर शाम तक जारी रहने की खबर है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुरक्षाबलों ने अलग अलग मुठभेड़ में मारे गए 15 नक्सलियों के शव के अलावा एसएलआर, थ्रीनॉटथ्री रायफल समेत अत्याधुनिक हथियार व विस्फोटक भी बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों में सीवायपीसीएम व आईसी कम्पनी नम्बर दो का कमाण्डर वेल्ला उर्फ मंगू पोड़ियाम भी शामिल है। इस पर हाल ही में ग्राम पेद्दाकोरमा में तीन युवकों की हत्या का मुख्य आरोपी भी है।

- बीजापुर-दंतेवाड़ा की सरहद में पश्चिम बस्तर डिविजन के साथ सुबह 9 बजे से मुठभेड़ चली

खास खबर

एसपी बीजापुर डॉ जितेन्द्र यादव ने बताया कि बीजापुर व दंतेवाड़ा जिले के सरहदी इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी बीजापुर व दंतेवाड़ा के अलावा एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है, जिला मुख्यालय लाने के बाद शव की शिनाख्त हो सकेगी।

घायल जवानों का उपचार जारी

इलाके की घेराबंदी की गई

बीजापुर एसपी ने बताया कि क्षेत्र में लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है। अतिरिक्त रीइन्फोर्समेंट टीमें भेजी गई है। फोर्स की बल संख्या पर्याप्त है तथा क्षेत्र को कॉर्डन कर सर्चिंग लगातार जारी है। आईजी ने बताया कि चूंकि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है, ऑपरेशन पूर्ण होने के उपरांत विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इलाके में कई शीर्ष नक्सलियों की मौजूदगी की संभावना है।

शहीद जवान डीआरजी के

नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के तीन जवान शहीद हुए हैं। इनमें प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, आरक्षक दुकारू गोंडे एव जवान रमेश सोड़ी शामिल है। मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के दो जवान घायल हुए है, इनमें आरक्षक सोमदेव यादव व एएसआई जनार्दन कोर्राम शामिल है।

नक्सलियों के पूर्ण खात्मे पर अडिग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, बीजापुर जिले में चल रहे नक्सल-विरोधी अभियान में आज हमारे वीर सुरक्षाबलों ने 12 माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया है। क्षेत्र में लगातार सर्च और कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी है। इस मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के प्रधान आरक्षक मोनू वडड़ी, आरक्षक दुकारू गोंडे और आरक्षक रमेश सोड़ी ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। मैं इन वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक-संतप्त परिजनों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें और दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मुठभेड़ में घायल अन्य दो जवान खतरे से बाहर हैं। उनके समुचित उपचार की व्यवस्था की ▶▶|शेष पेज 6 पर

आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के निवास पर पहुंचे देश के जाने-माने संत रावतपुरा सरकार

पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी के निधन पर सांत्वना देकर परिवार को दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ग्वालियर

देश के जाने-माने संत रावतपुरा सरकार बुधवार को अपने अल्प प्रवास पर ग्वालियर पहुंचे और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। रावतपुरा सरकार ग्वालियर में सिंधी कॉलोनी स्थित डॉक्टर हिमांशु द्विवेदी के पैतृक निवास पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंचे थे। डॉक्टर हिमांशु द्विवेदी की माता जी से भी रावतपुरा सरकार ने भेंट की। साथ ही शोक संतृप्त परिवार को अपनी ओर से सांत्वना ▶▶|शेष पेज 6 पर

- ग्वालियर स्थित निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने आने वाले लोगों का तांता लगा

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि

बुधवार को श्रद्धांजलि देने वाले लोगों में पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व विधायक प्रवीण पाठक, नगर निगम के सभापति मनोज तोमर ,पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम कृष्ण राव दीक्षित, पार्षद अनिल सांखला, पार्षद गिरिराज सिंह कंसाना, समाजसेवी राम नारायण मिश्रा,भाजपा नेता विनय जैन, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व सभापति नगर निगम गंगाराम बघेल आदि शामिल थे। इसके अलावा श्रद्धांजलि व्यक्त करने पहुंचने वाले लोगों में मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के पूर्व संचालक और आईपीएस अधिकारी आशुतोष प्रताप सिंह, एसडीएम अनिल बन, आबकारी अधिकारी अंशु भदोरिया, जयारोग्य अस्पताल समूह के अधीक्षक डॉक्टर सुधीर सक्सेना, डॉक्टर माखनलाल माहौर शामिल रहे। साथ ही जनता टीवी उत्तर प्रदेश के संपादक केके उपाध्याय, स्टेट हेड टीके मिश्रा और कुणाल दीक्षित आदि शामिल थे।

पुतिन की आज से दो दिवसीय भारत यात्रा

रूस और भारत के बीच होंगे कई समझौते, कारोबार पर होगी बात

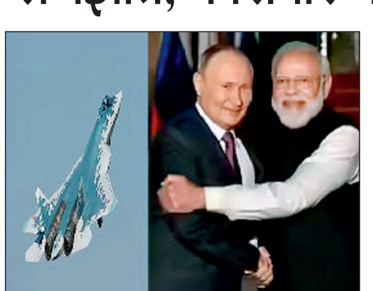

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन 4 और 5 दिसंबर को 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय 'राजकीय यात्रा' पर भारत आ रहे हैं। इस सम्मेलन में भारत और रूस के बीच कई समझौते होंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2021 में 'कामकाजी' दौरे (वर्किंग विजिट) पर भारत आए थे। पुतिन की पिछली ज्यादातर भारत यात्रा कामकाजी या आधिकारिक रही है मगर आगामी दौरा निश्चित रूप से राजकीय यात्रा होगी। रूस और भारत अपने रक्षा सहयोग मजबूत करने और व्यापार संबंधों (विशेष रूप से 'राष्ट्रीय मुद्राओं'में) का विस्तार करने के रास्ते तलाश रहे हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 4 से 5 दिसंबर तक की भारत यात्रा के दौरान उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के रक्षा मंत्री एंड्री बेलौसोव भी रहेंगे।

- एस-400, सु-57 की खरीद पर होगी चर्चा

टेंशन में अमेरिका यूरोप भी अपसेट

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से अमेरिका तो टेंशन में है ही, यूरोपीय देश भी अपसेट हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे ताकतवर देशों ने अजीब तरह से एक मोर्चा खोल दिया है। भारत से दोस्ती को ताक पर रखकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। भारत ने इसे अपनी संप्रभुता और कूटनीतिक शिष्टाचार पर हमला मानते हुए सख्त एतराज जताया है।

यूक्रेन युद्ध के बाद दुर्लभ यात्रा

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह विदेश यात्राओं में से एक दुर्लभ यात्रा है। पश्चिमी देश खासकर अमेरिका और यूरोप पिछले तीन सालों से पुतिन को वैश्विक मंच पर अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पुतिन का 'रेड कार्पेट' वेलकम करने को तैयार हो।

दिल्ली बनी 'हाईटेक' सुरक्षा किला

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार से भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। उनकी पूरी मूवमेंट को लेकर शहर की सुरक्षा व्यवस्था को सबसे ऊंचे स्तर पर रखा गया है। पुतिन की यात्रा के लिए दिल्ली में मल्टी-ग्रिड सिक्योरिटी सिस्टम लागू किया गया है। यह सुरक्षा कवच बेहद व्यापक और अभूतपूर्व बताया जा रहा है। रूसी खुफिया एजेंसी और भारतीय सुरक्षा टीमें पिछले कई दिनों से एक जगह मिलकर सुरक्षा की हर परत की जांच कर रही हैं। राष्ट्रपति के ठहरने के स्थान पर सुरक्षा के सबसे कड़े इंतजाम किए गए हैं।

दुष्प्रभाव की कर सकेंगे शिकायत

हर दवा दुकान पर चस्पा होगा क्यूआर कोड, हेल्पलाइन नंबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को निर्देश दिया है कि देशभर की खुदरा और थोक दवा दुकानों पर एक निर्धारित क्यूआर कोड और टोल-फ्री नंबर लगाया जाए, ताकि लोग दवाइयों से होने वाले किसी भी नुकसानदायक असर की जानकारी आसानी से दे सकें। सीडीएससीओ ने कहा कि इस कदम से आम लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को दवाओं के दुष्प्रभाव और उनसे जुड़े मामलों ▶▶|शेष पेज 6 पर

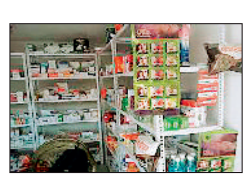

राज्यों को पत्र

सीडीएससीओ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को भेजे गए एक परिपत्र में कहा, सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक खुदरा और थोक दवा दुकान में निर्धारित क्यूआर कोड को प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित किया जाए।

तुरंत कार्रवाई के निर्देश

परिपत्र के अनुसार, इसके साथ ही, प्रत्येक दवा दुकान पर क्यूआर कोड के साथ टोल-फ्री नंबर भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। परिपत्र में आगे कहा गया, आपसे निवेदन है कि अपने क्षेत्राधिकार में इन निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू करें।

कहासुनी के बाद उपजा था विवाद

जीआरपी थाने में हेड कांस्टेबल ने साथी पर चलाई गोली, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

रायगढ़ रेलवे स्टेशन से बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना खबर सामने आई। यहां जीआरपी थाने में मौजूद कांस्टेबल ने अपने ही सहकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामला रायगढ़ रेलवे स्टेशन के अंदर मौजूद आरपीएफ थाने का है। जहां बुधवार की तड़के 4 बजे के करीब थाने के भीतर से गोली चलने की आवाज आई। हादसे की जानकारी मिलते ही आरपीएफ थाने को छावनी के रूप में तब्दील कर दिया गया ।

मामला रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर मौजूद जीआरपी थाने का है, जहां हेड कांस्टेबल ▶▶|शेष पेज 6 पर

आरोपी

गोली की आवाज को पटाखे की समझा

रेलवे स्टेशन में मौजूद थाने के अन्य कर्मचारियों नें बताया कि सुबह के समय थाने में केवल केएस लादेर व पीके मिश्रा ही मौजूद थे। कुछ अन्य जवान स्टेशन में गश्त कर रहे थे, तभी उन्हें गोली ▶▶|शेष पेज 6 पर

चार राउंड की फायर, दो गोली कंधे व दो सिर पर

हत्यारा लदेर ने अपने ही सर्विस रिवाल्वर से सामने बैठे मृतक पर चार राउंड फायरिंग की, जिसमें से दो गोली तो सीने पर लगी, एक गोली सिर पर लगी।

रुपया पहली बार 90 के नीचे गिरा, 90.21 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

ऐसा पहली बार, 90.21 रुपए में एक डॉलर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई।

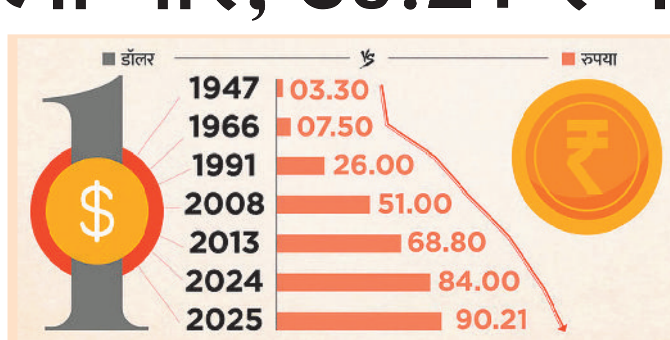

77 साल पहले 1 रुपया = 1 डॉलर

- 15 अगस्त 1947 को जब भारत को आज़ादी मिली, तो रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर के बराबर थी। भारत की बैलेंस शीट पर कोई विदेशी उधार नहीं था।
- 1920 के दशक में रुपए की क्रय शक्ति मजबूत थी, लेकिन उस वक्त भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। तब मुद्रा का मूल्य सोने और चांदी से जुड़ा हुआ था।
- 1947 स्वतंत्रता के बाद भारत ने मुद्रा को स्थिर रखने के लिए मौद्रिक नीतियां अपनाईं। उस वक्त एक अमेरिकी डॉलर एक रुपये के बराबर था।

इकानॉमी के लिए ठीक नहीं ये गिरावट

गौरतलब है कि जब किसी देश की करेंसी तेजी से टूटती है, तो इसे उस देश की इकानॉमी के लिए ठीक नहीं माना जाता है। ऐसे में रुपया में गिरावट पर ब्रेक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाना बेहद जरूरी है। इसके तमाम तरह के नुकसान देखने को मिलते हैं, जिनमें महंगाई बढ़ने का जोखिम सबसे आगे है।

कब रुपया डॉलर से जुड़ा

1971 में रुपये का ब्रिटिश मुद्रा से संबंध टूट गया और इसे सीधे अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया गया। 1975 में भारतीय रुपए का मूल्य एक डॉलर के मुकाबले 8.39 आंका गया था। 'यूएस डॉलर टू इंडियन रुपी' टॉपिक पर गूगल पर भी खूब सर्च किया गया।

18 साल स्थिर रहा रुपया

आज़ादी के बाद भारत ने एक निश्चित दर वाली मुद्रा प्रणाली को अपनाने का फ़ैसला किया था। 1948 से 1966 के बीच डॉलर के मुकाबले रुपया 4.79 पर स्थिर था। लगातार दो युद्धों 1962 में चीन के साथ और 1965 में पाकिस्तान के साथ ने भारत के बजट पर भारी घाटा दिया, जिससे सरकार को डॉलर के मुकाबले मुद्रा का अवमूल्यन कर 7.57 पर लाना पड़ा।

चिंतन

पुतिन का भारत दौरा ट्रंप को कड़ा संदेश

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार से दो द्विवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा कई मायनों में काफी अहम मानी जा रही है। उनका यह दौरा जहां यूक्रेन युद्ध और एशिया में शक्ति संतुलन के लिए खास माना जा रहा है, वहीं यह एक तरह से अमेरिका को भी कड़ा संदेश है। चूंकि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान को ज्यादा तवज्जो दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर से व्हाइट हाउस में मुलाकात कर चुके हैं, जबकि भारत को लेकर ट्रंप की तरफ से हमेशा नकारात्मक बयान ही सामने आ रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भी भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी लगा दिया था, जो अमेरिका के किसी भी देश पर लगाए गए टैरिफ में सबसे ज्यादा है। वहीं, भारत रूस से तेल न खरीदे, इसके लिए भी दबाव बनाया गया। ऐसे समय में पुतिन की भारत यात्रा को अमेरिका के लिए जवाब के तौर भी देखा जा रहा है। पुतिन के दौरे को देखते हुए राजधानी दिल्ली हाईअलर्ट पर है। दूसरी तरफ, पुतिन के आने से पहले ही भारत को एक खुशखबरी देते हुए रूस की संसद के निचले सदन स्टेट डूमा ने भारत के साथ हुए महत्वपूर्ण सैन्य समझौते रेसिप्रोकल सपोर्ट ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट (आरईएलओएस) को भी मंजूरी दे दी। यह निर्णय राष्ट्रपति की होने वाली नई दिल्ली यात्रा से ठीक पहले लिया गया है, जिसे द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। भारत और रूस के संबंधों का अपना एक इतिहास है। 1971 की भारत–सोवियत मैत्री संधि दोनों देशों की दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण है। इतना ही नहीं, रूस ने हमेशा से ही भारत को सैन्य तकनीक और हथियार देने में संकोच नहीं किया। रूस ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में सहयोग तो किया ही है, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी बेहद अहम है। दुनिया बदली है, दोस्त बदले हैं लेकिन भारत और रूस के बीच पुराने कूटनीतिक रिश्तों का भरोसा आज भी साफ नजर आता है। पुतिन की यात्रा के दौरान भारत-रूस के बीच ब्रह्मोस के नए वेरिएंट पर समझौते के साथ-साथ एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम पर भी चर्चा संभव है। दोनों देश नए हेलीकॉप्टर, फाइटर जेट, परमाणु ऊर्जा, चिप्स, आईटी, साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने पर भी समझौते कर सकते हैं। रूस और भारत के संबंध आजमाए और परखे हुए हैं। कई मौकों पर रूस भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के बेहद करीब आए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कुछ माह पहले रूस की यात्रा की थी। इस दौरान पुतिन के साथ उनकी गजब केमिस्ट्री देखने को मिली थी। मोदी ने उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त बताया था। रक्षा से लेकर व्यापार, स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक में दोनों देश हमेशा एक-दूसरे के साथ रहे हैं। पुतिन का भारत आना इस रिश्ते की और मजबूती का संकेत देता है। उनकी यात्रा से संदेश साफ है कि रूस आज भी एशिया में अपने सबसे पुराने दोस्त के साथ मजबूती के साथ खड़ा है और संबंधों को गहरा करना चाहता है। यह समय ऐसा है जब पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंध सामान्य नहीं कहे जा सकते हैं। ऐसे समय में एशिया और उसमें भी खासकर भारत-रूस की दोस्ती का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सिपरी रिपोर्ट
सुनील कुमार महला

हथियारों की होड़ से मानवता पर खतरा

आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है , बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है, और इसका असर कहीं न कहीं देश के विकास और अर्थव्यवस्था व इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।

इसका नतीजा यह है कि दुनिया एक ऐसी दिशा में बढ़ रही है, जहां भरोसा कम और अविश्वास ज्यादा है। वास्तव में, यह बात ठीक है कि हथियार किसी देश को सुरक्षा दे सकते हैं, लेकिन स्थायी शांति नहीं। असली सुरक्षा संवाद, विश्वास, सहयोग और संतुलित विकास से मिलती है, न कि विनाशकारी हथियारों की बढ़ती संख्या से। वास्तव में, यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया भर में हथियारों की खरीद-फरोख्त लगातार बढ़ रही है, और यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। एशिया में भारत-चीन के बीच लंबे समय से सीमा विवाद बना हुआ है, जो समय-समय पर सैनिक तैनाती और गश्त के कारण फिर उभर जाता है। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर और सीमा पार आतंकवाद को लेकर रिश्ते लगातार तनावपूर्ण रहते हैं और कूटनीतिक संबंधों में उतार-चढ़ाव चलता रहता है। चीन-ताइवान के बीच स्थिति सबसे संवेदनशील है, जहां चीन ताइवान पर दबाव बढ़ाने के लिए सैन्य अभ्यास और शक्ति-प्रदर्शन कर रहा है, जबकि ताइवान अपनी रक्षा क्षमता बढ़ा रहा है। ईरान-इज़राइल के बीच हमलों और जवाबी हमलों के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ी हुई है। वहीं आर्मेनिया-अज़रबैजान के बीच नगार्नो-काराबाख को लेकर पुराना सीमा विवाद अभी भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ। मध्य एशिया में भी अफगानिस्तान की सीमा को लेकर ताजिकिस्तान और रूस मिलकर सुरक्षा मजबूत करने की बात कर रहे हैं। इधर, रूस-यूक्रेन तनाव आज भी बेहद गंभीर रूप में बना हुआ है। हाल की शांति-वार्ताएं भी किसी नतीजे पर नहीं पहुँच पाई हैं, क्योंकि रूस अपनी

शर्तों पर अड़ा है और पश्चिमी देश यूक्रेन की संप्रभुता पर समझौता नहीं करना चाहते। इसी बीच मिसाइल हमलों, भू-भाग पर कब्जे की कोशिशों और कूटनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संघर्ष न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है।

कुल मिलाकर, सीमा विवादों, सैन्य तैयारियों, शक्ति दिखाने की होड़ और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने कई क्षेत्रों को बेहद संवेदनशील और अस्थिर बना दिया है। यही कारण है कि आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतनी ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है। साथ ही सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं।

इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी। जितना ज्यादा तनाव और युद्ध, उतनी ही ज्यादा हथियारों की खरीद, और उतनी ही ज्यादा कंपनियों की कमाई। सिपरी की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है, जिसके चलते युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है। भारत की तीन कंपनियां क्रमशः हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स भी इस सूची में शामिल हैं, और घरेलू मांग के कारण इनकी संयुक्त आयुध कमाई 8.2 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर हो गई है। सिपरी का आकलन बताता है कि भविष्य में हथियारों की बिक्री और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय तनाव कम होने के बजाय बढ़ रहा है, और देश ड्रोन व अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों पर भारी निवेश कर रहे हैं। यह बढ़ती सैन्य होड़ न केवल शांति के लिए खतरा है, बल्कि विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संसाधन हटाकर वैश्विक असमानताओं, भुखमरी, जलवायु संकट और अस्थिरता को भी बढ़ावा दे रही है। युद्धों और संघर्षों के कारण लाखों लोग विस्थापन, अकाल और मानवीय त्रासदियों का सामना कर रहे हैं।

दूसरे शब्दों में कहें तो आज युद्धों और संघर्षों के कारण दुनिया भर में लाखों लोग अपने घर, जमीन और रोज़गार से बेदखल हो रहे हैं। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट यह संकेत देती है कि विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

नौसेना दिवस
आरके जैन

सफेद वर्दी में चमकता है भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान

जब समुद्र की लहरें तेज़ी से उठती हैं और युद्धपोतों की गड़गड़ाहट आसमान तक गूंजती है, तब पूरा भारत गर्व से भर उठता है-यही है नौसेना दिवस की सच्ची शक्ति। 4 दिसंबर का यह खास दिन वह पल है जब देश अपने समुद्री वीरों को दिल से सलाम करता है। यह कोई साधारण तारीख नहीं, बल्कि 1971 के भारत-पाक युद्ध की वह यादगार रात है जब भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर ऐसा वार किया कि दुश्मन संभल ही नहीं पाया। ऑपरेशन ट्राइडेंट, जिसका नाम सुनते ही रोमांच दौड़ जाए। पहली बार किसी एशियाई देश ने एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया, चार पाकिस्तानी जहाज़ डूब गए, कराची का बंदरगाह जल उठा और उनकी नौसेना बिखरकर रह गई। यह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि समुद्री युद्ध के इतिहास में लिखा गया एक चमकता हुआ अध्याय था। तभी से 4 दिसंबर भारतीय नौसेना दिवस के रूप में पूरे देश में गर्व के साथ मनाया जाता है। लेकिन यह दिन सिर्फ इतिहास की वीरगाथा नहीं सुनाता, यह वर्तमान की ताकत और भविष्य की तैयारी का भी प्रमाण है। भारतीय नौसेना आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे सक्षम नौसेनाओं में शुमार है। 67000 से ज्यादा जांबाज़ सैनिक, 150 से अधिक युद्धपोत, 250 से भी अधिक विमान और पनडुब्बियां- ये सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की संप्रभुता का दस्तावेज़ है। देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत जब समुद्र में उतरा, तब पूरी दुनिया ने देखा कि भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, बल्कि खुद अपनी शक्ति गढ़ने वाला राष्ट्र है। वहीं, आईएनएस अरिहंत ने जब परमाणु त्रिशूल पूरा किया, तो बड़े-बड़े देश भी भारत की क्षमता के आगे गंभीर हो गए। बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस यह पनडुब्बी दुश्मन के लिए साफ संदेश है। भारत की ओर आंख उठाई, तो कीमत भी चुकानी पड़ेगी और जवाब भी ऐसा मिलेगा कि याद रखना मुश्किल हो जाएगा। हिंद महासागर में भारतीय नौसेना आज सिर्फ रक्षक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का संतुलन संभालने वाली शक्ति है। मालदीव संकट में जब ऑपरेशन कैक्टस चला, श्रीलंका में आईपीकेएफ के दौरान जब नौसेना ने मानवीय मदद पहुंचाई, सुनामी की तबाही में जब हजारों जानें बचाईं, और हाल ही में ऑपरेशन राहत व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब युद्धग्रस्त देशों से भारतीयों को सुरक्षित घर लाया गया, हर बार नौसेना ने साबित किया कि उसकी ज़िम्मेदारी केवल समुद्र की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उसकी पहुंच वहां तक है, जहां तक भारत का एक भी नागरिक मौजूद है, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो। क्वाड का मजबूत सदस्य बनकर, मालाबार अभ्यास में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ कदम मिलाकर, फ्रांस के साथ वरुण अभ्यास में अपनी क्षमता दिखाकर, और रूस के साथ इंड्रा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेकर भारत ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है, हिंद महासागर में दबाव, धमकी या दादागिरी नहीं चलेगी। आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस चक्र, ब्रह्मोस से लैस स्टील्थ फ्रिगेट्स और पी-8 आई पोसाइडन विमान सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और समुद्री शक्ति के चमकते प्रतीक हैं। लेकिन नौसेना की सच्ची शक्ति उसके लोहे के जहाज़ों में नहीं, बल्कि उन सफेद वर्दी वाले वीरों में बसती है। वे ही हैं जो महीनों अपने परिवार से दूर रहते हैं; जब तूफान जहाज़ को झकझोरता है, नीचे अथाह समुद्र और ऊपर दुश्मन की नज़र होती है, फिर भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती है। वे समुद्र की गोद में रातें काटते हैं, ताकि करोड़ों भारतीय चैन से सो सकें। उनकी आँखों में गहराई है, दिल में देशभक्ति की गर्मी और हाथों में अजेय साहस। और उनके पीछे खड़ी होती हैं वे माएँ जो बेटे के जहाज़ पर चढ़ते ही आशीर्वाद देती हैं, वे पत्नियां जो हर तूफान में प्रार्थना करती हैं, वे बच्चे जो दिन गिनते रहते हैं। यही मौन शक्ति नौसेना को अपराजेय बनाती है। हर साल नौसेना दिवस पर जब गेटवे ऑफ इंडिया के सामने जहाज़ सलामी देते हैं, जब मिग-29 के आसमान को चीरते हुए दहाड़ते हैं, जब काले परिधान में मार्कोस कमांडो अपने रोमांचक करतब दिखाते हैं, तब हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। पर यह गर्व सिर्फ उस पल तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि यह नीली सीमा हमें यूं ही नहीं मिली, इसे वीरों ने अपने जीवन से सुरक्षित किया है। यह केवल जश्न मनाने का अवसर नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का पल है। इस नौसेना दिवस पर हमें केवल ताली बजाकर आगे नहीं बढ़ जाना चाहिए। हमें अपने बच्चों को उन जांबाज़ों की गाथाएं सुनानी चाहिए, जिनकी सफेद वर्दी में भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान चमकता है। जय हिंद। जय भारतीय नौसेना।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

संकलित
दर्शन

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

व्यक्ति की अच्छी बातों को याद कर जीवन में उतारें

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों को पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

अंतर्मन

आज की पाती

ममता का सार्वजनिक अपमान

हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में वृद्धाश्रम में रह रही शोभा देवी के निधन के बाद जब बेटे को सूचना दी गई, तो उसने मां का शव लेने से साफ इनकार कर दिया। बेटे ने कहा कि घर में शादी है। शव आने से अपशगुन होगा। फ्रीजर में रखवा दीजिए, बाद में देख लेंगे। घंटों तक मां का पार्थिव शरीर वृद्धाश्रम में ही पड़ा रहा। अंततः प्रशासन ने हस्तक्षेप कर अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना ने मां के जीवन भर के त्याग, ममता, समर्पण और प्रेम का मानो सार्वजनिक अपमान कर दिया। यह प्रसंग केवल एक परिवार की असफलता नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर लगा सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है। यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है।

– संजय पाठक, राजनांदगांव

करंट अफेयर

भारत की गहरी समझ रखने वाला युवा नेतृत्व होगा तैयार

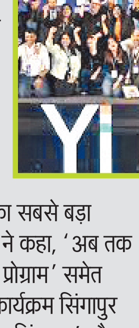

सिंगापुर में 'कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री यंग इंडियन चैप्टर (सीआईआई वाईआई) ने कहा है कि उसका लक्ष्य हर वर्ष 300 युवाओं को छात्र विनियम कार्यक्रम में शामिल करना है ताकि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वालों का नया नेतृत्व तैयार किया जा सके। सीआईआई वाईआई के चेयरमैन मोहम्मद इरशाद ने मंगलवार को यह टिप्पणी की। इससे एक दिन पहले सिंगापुर में पहला 'वाईआई – भारत सिंगापुर युवा सम्मेलन' आयोजित किया गया था। इरशाद ने कहा, 'भारत और सिंगापुर के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए हमें भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ विकसित करनी होगी।' सिंगापुर फिलहाल भारत का सबसे बड़ा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केंद्र है। इरशाद (36) ने कहा, 'अब तक सिंगापुर के विश्वविद्यालयों के 40 छात्र 'इंडिया टैलेंट रीड प्रोग्राम' समेत विभिन्न विनिमय कार्यक्रमों के तहत भारत जा चुके हैं। ये कार्यक्रम सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय, सरकारी एजेंसी 'एंटरप्राइज सिंगापुर' और राष्ट्रीय युवा परिषद के सहयोग से चलाए गए।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

ट्रेंड

सेवा की निरंतर साधना

मोदी सरकार के 11 वर्ष सत्ता से नहीं, सेवा की निरंतर साधना से चिन्हित रहे हैं। प्रधानमंत्री का 'प्रधानसेवक' भाव इस यात्रा का आधार है। इसी कड़ी में उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' की भावना से जोड़ा है।

-पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

कांग्रेस को सद्बुद्धि मिले

कांग्रेस की उम्र 140 साल हो गई है, लेकिन व्यवहार बच्चों और नाबालिगों की तरह कर रही है। एसआईआर पर तो बिहार की जनता पहले ही जवाब दे चुकी है। प्रश्न यह है कि क्या कांग्रेस घुसपैठियों को बचाना चाहती है? जनता के मुद्दों से सरोकार नहीं है। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

अभिव्यक्ति की आज़ादी

जिनका इतिहास ही मुखबिरी का रहा हो वो जासूसी करना कैसे छोड़ सकते हैं। भाजपा सरकार में अभिव्यक्ति की आज़ादी तो पहले ही छिनी जा रही थी अब घर-परिवार, नाते-रिश्तेदार, की आपसी बातचीत पर भी उनकी गिद्ध निगाह लग जाएगी।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

जन-केंद्रित कदम

राजभवन, झारखंड का नाम बदलकर अब 'लोक भवन, झारखंड' कर दिया गया है। हम झारखंड की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। यह झारखंड के लिए एक सकारात्मक और जन-केंद्रित कदम है।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

रेलवे ने किया नियमों में बदलाव

नई दिल्ली। अभी हाल ही में इंडियन रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग नियमों में कुछ बदलाव किए हैं और अब ऑफलाइन रिजर्वेशन काउंटर से तत्काल टिकट लेने वालों के लिए नियमों में परिवर्तन किया गया है। रेलवे ने काउंटर पर जारी किए गए टिकटों के लिए एक ओटीपी-बेस्ड ऑथेंटिकेशन सिस्टम शुरू किया है। यानी अगर आप रिजर्वेशन काउंटर से तत्काल टिकट लेते हैं तो इसके लिए पहले आपको ओटीपी शेयर करनी होगी। इसके जरिए रेलवे, टिकट बुक करने की पूरी प्रक्रिया को ट्रांसपेरेंट और सुरक्षित बनाना चाहता है।

रेलवे काउंटर पर ओटीपी-बेस्ड ऑथेंटिकेशन सिस्टम शुरू

अहम फैसला, तत्काल में विंडो टिकट लेने पर भी ओटीपी होगा जरूरी

पायलट प्रोजेक्ट के बाद हुआ लागू : इंडियन रेलवे ने इस नए रूल को लागू करने से पहले 17 नवंबर 2025 से रिजर्वेशन काउंटर पर बुक किए गए तत्काल टिकटों के लिए ओटीपी सिस्टम का पायलट ट्रायल शुरू किया था। पायलट फेज में, इस सिस्टम को 52 ट्रेनों में लागू किया गया था और इसके सफल होने के बाद अब इसे पूरी तरह से लागू करने की तैयारी चल रही है।

ऐसे होगा सत्यापन

रेलवे ने 17 नवंबर 2025 को रिजर्वेशन काउंटरों से बुक होने वाले तत्काल टिकटों के लिए ओटीपी आधारित प्रणाली का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया। फिलहाल यह व्यवस्था 52 ट्रेनों तक विस्तारित की जा चुकी है। इस सिस्टम के तहत जब यात्री रिजर्वेशन फॉर्म भरकर तत्काल टिकट बुक करते हैं तो उनके द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाता है। इसमें यात्रियों का टिकट तभी सुनिश्चित हो पाता है जब ओटीपी का सफल सत्यापन हो जाता है। यानी, नए नियम के आने के बाद काउंटर पर तत्काल टिकट बुक करने वाले पैसेंजर को अपने फॉर्म पर अपना मोबाइल नंबर देना होगा। इसी मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। काउंटर स्टाफ के सही ओटीपी वेरिफाई करने के बाद ही टिकट बुक होगा।

टिकट बुकिंग प्रक्रिया को ट्रांसपेरेंट और सुरक्षित बनाने में मिलेगी मदद

गलत इस्तेमाल रोकने में मिलेगी मदद

रिपोर्ट के अनुसार रेल मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि रेलवे अब यह सिस्टम बाकी सभी ट्रेनों में लागू कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि इससे तत्काल टिकट का गलत इस्तेमाल रुकेगा और यह पक्का होगा कि सच में जरूरतमंद पैसेंजर आसानी से टिकट ले सकें। यह कदम रेलवे टिकटिंग को और ज्यादा ट्रांसपेरेंट, सुरक्षित और आसान बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। रेलवे के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में सभी ट्रेनों के तत्काल काउंटर टिकटों के लिए ओटीपी आधारित सिस्टम लागू होगा। इसका उद्देश्य तत्काल सुविधा का दुरुपयोग और दलालों पर लगाम लगाकर यात्रियों को आसानी से टिकट उपलब्ध कराना है।

यात्रियों को मिलगी बेहतर सुविधा

आने वाले दिनों में यह ओटीपी आधारित तत्काल रिजर्वेशन सिस्टम सभी शेष ट्रेनों पर लागू कर दिया जाएगा। यह कदम रेलवे टिकटिंग में पारदर्शिता, यात्री सुविधा और सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

खबर संक्षेप

विस चुनाव जीतना है, अभी से काम शुरू करें : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के सांसदों से मुलाकात की और 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। पीएम मोदी ने राज्य में कानून-व्यवस्था पर भी चर्चा की और कहा कि खगेन मुर्मू जैसी सांसदों पर हमले की घटनाओं को प्रभावी ढंग से उजागर किया जाना चाहिए ताकि लोग टीएमसी के कारण हुई हिंसा को समझ सकें। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी ने सांसदों से कहा कि हमें कड़ी मेहनत करनी है और यह सुनिश्चित करना है कि हम बंगाल में विधानसभा चुनाव जीतें। आप लोग बहुत आगे बढ़ चुके हैं। इस सत्ता के खिलाफ लड़ाई को जारी रखना होगा। एसआईआर को लेकर उन्होंने कहा कि ये शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, होनी ही है। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से लगातार संपर्क करने को भी कहा। सोशल मीडिया के जरिए केंद्र सरकार के कामों को भी जनता तक पहुंचाने का निर्देश भी दिया। लोकसभा में पश्चिम बंगाल से बीजेपी के 12 सांसद हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राज्य की मौजूदा स्थिति के लिए स्पष्ट संचार और सार्वजनिक पहुंच की आवश्यकता है और पार्टी को जमीन पर जो हो रहा है उसका दृढ़ता से मुकाबला करना चाहिए।

सरकार का यू-टर्न!

विपक्ष के जबरदस्त विरोध के बाद पलटा फैसला

फोन में संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करने का आदेश वापस

स्मार्टफोन कंपनियों को बड़ी राहत | कांग्रेस ने लगाया था जासूसी का आरोप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संचार साथी ऐप पर छिड़े विवाद के बीच आखिरकार केंद्र सरकार ने अपना आदेश वापस ले लिया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सरकारी संचार साथी ऐप को अनिवार्य रूप से प्रीलोड करने का दिया गया अपना आदेश वापस ले लिया है। बता दें कि सरकार ने स्मार्टफोन कंपनियों को हर फोन में संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करने का आदेश दिया था। यह फैसला, यूजर प्राइवेसी और संभावित जासूसी से जुड़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। दूरसंचार मंत्रालय द्वारा जारी आज एक प्रेस रिलीज में कहा गया, 'संचार साथी की बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए प्री-इंस्टॉलेशन को अनिवार्य ना करने का फैसला लिया है।'

यह दिया था आदेश

आपको बता दें कि 28 नवंबर को दूरसंचार विभाग ने आदेश दिया था कि स्मार्टफोन निर्माताओं और इंपोर्टर्स को नए फोन्स में संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करना होगा। इसके अलावा पुराने फोन्स में भी सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए ऐप इंस्टॉल करने का निर्देश दिया गया। इस आदेश में कहा गया था कि ऐप को ना तो डिसेबल और डिलीट किया जा सकता है। आपको बता दें कि संचार साथी एक सरकारी साइबर सुरक्षा ऐप है। इसके जरिए यूजर्स फ्रॉड कॉल्स, मैसेज और चोरी हुए मोबाइल फोन्स की शिकायत कर सकते हैं।

एप्पल-गूगल ने किया था विरोध

बता दें कि दुनिया के दो सबसे पॉप्युलर ऑपरेटिंग सिस्टम-आईओएस और ऐंड्रॉयड की निर्माता ऐप्पल और गूगल सरकार के इस आदेश के विरोध में थीं। इंडियन एक्सप्रेस ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि प्राइवेसी और सिस्टम सिक्यॉरिटी के चलते ऐप्पल-गूगल ने इस सरकारी आदेश को मानने से इनकार कर दिया था।

जासूसी संभव नहीं : सिंधिया

दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर सरकार बदलाव करने के लिए तैयार है। सिंधिया ने संसद में कहा, 'हमें मिले फीडबैक के आधार पर अगर आदेश में बदलाव की जरूरत पड़ी तो हम करेंगेहम संशोधन के लिए तैयार हैं।' निगरानी से जुड़ी चिंताओं पर उन्होंने कहा कि जासूसी ना तो संभव है और ना ही की जाएगी। इसके पहले मंगलवार को भी बवाल के बाद सिंधिया ने स्पष्ट किया था कि यूजर्स चाहें तो संचार साथी ऐप को डाउनलोड करें या चाहें तो डिलीट कर सकते हैं। टेलिकॉम मंत्री सिंधिया ने कहा कि ऐप से किसी की जासूसी नहीं होगी।

एआई डीप फेक, फेक न्यूज पर शिकंजा, सरकार ने बताया प्लान

कड़े नियम लाने की हो गई है तैयारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर तैरने वाले एआई से बने डीपफेक और फेक न्यूज का मुद्दा बुधवार को संसद के पटल पर रखा गया। इस पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को बताया कि सोशल मीडिया और फेक न्यूज को लेकर उठाया गया मुद्दा बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज भारत की लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर रही है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, गलत जानकारी और एआई से तैयार डीपफेक पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। वैष्णव ने ये भी कहा कि सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से कुछ ऐसे इकोसिस्टम बन गए हैं जो भारत के संविधान का पालन करने या संसद द्वारा बनाए गए कानूनों का अनुपालन करने के इच्छुक नहीं दिखते। इस पर उन्होंने कड़ी कार्रवाई करने और अधिक मजबूत नियम बनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

सोशल मीडिया ने दिया बड़ा मंच

उन्होंने कहा कि फेक न्यूज और सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की रक्षा के बीच नाजुक संतुलन बनाना पड़ता है। सरकार इस संतुलन को पूरी संवेदनशीलता के साथ बनाए रखते हुए काम कर रही है। उन्होंने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया पहल ने बड़ा बदलाव लाया है और तकनीक को लोकतांत्रिक बनाया है, जिसके सकारात्मक प्रभावों को स्वीकार करना चाहिए। सोशल मीडिया ने हर नागरिक को एक मंच दिया है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सरकार संस्थाओं को मजबूत बनाने और समाज की नींव बनने वाले विश्वास को कायम रखने की दिशा में काम कर रही है।

36 घंटे के अंदर कंटेंट हटाने की व्यवस्था

संसद में एक सवाल के जवाब में वैष्णव ने बताया कि हाल ही में नए नियम लागू किए गए हैं, जिनमें 36 घंटे के अंदर कंटेंट हटाने की व्यवस्था भी शामिल है। एआई से बने डीपफेक की पहचान कर उन पर जरूरी कार्रवाई के लिए एक ड्राफ्ट नियम भी जारी किया गया है। इस पर फिलहाल विचार-विमर्श चल रहा है। मंत्री ने संसदीय समिति के काम की सराहना की और निशिकांत दुबे समेत सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने कानूनी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए अहम सिफारिशों वाली विस्तृत रिपोर्ट पेश की।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक हुई शुरू

एजेंसी: मुंबई

मौद्रिक नीति तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन-दिवसीय बैठक बुधवार को शुरू हो गई। इस बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की संभावना जताई जा रही है लेकिन कुछ विशेषज्ञ यथास्थिति कायम रहने की भी उम्मीद जता रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय एमपीसी का फैसला शुक्रवार को घोषित किया जाएगा। यह द्विमासिक समीक्षा बैठक खुदरा मुद्रास्फीति में लगातार नरमी, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उच्च वृद्धि दर, डॉलर के मुकाबले रुपये का भाव 90 के पार चले जाने और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। आरबीआई ने इस साल फरवरी से जून के दौरान तीन किस्तों में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत अंक की कटौती की थी। हालांकि, उसके बाद अगस्त एवं अक्टूबर की बैठकों में रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया।

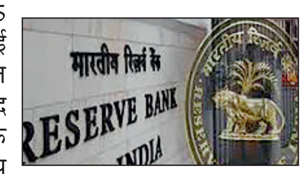

क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा, "अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति में पर्याप्त गिरावट ने इस बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की गुंजाइश पैदा की है।" आरबीआई गवर्नर ने भी पिछले महीने कहा था कि नीतिगत ब्याज दरों में और कटौती की संभावना बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट में दिया आश्वासन

बांग्लादेश भेजी गर्भवती को वापस लाएगा केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष बांग्लादेश भेजी गई गर्भवती महिला सुनाली खातून और उसके 8 साल के बेटे (साबिर) को मानवीय आधार पर भारत वापस लाने को कहा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने आश्वासन दिया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, एसजी ने कहा, 'मानवीय आधार पर सुनाली खातून और उनके बेटे साबिर को हमारी दलीलों और उन्हें निगरानी में रखने के हमारे अधिकार के प्रति पूर्वाग्रह के बिना प्रक्रिया का पालन करते हुए यहां लाया जाएगा।' बेंच ने आज अपने आदेश में कहा, 'सॉलिसिटर जनरल ने सूचित किया कि केवल मानवीय आधार पर, भारत संघ सोनाली खातून को उनके 8 साल के बेटे साबिर के साथ भारत वापस लाने के लिए सहमत हो गया है। चूंकि सोनाली को दिल्ली में हिरासत में लिया गया था।

बच्चे का सही से रखा जाए ख्याल

कोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा, 'प्रतिवादियों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े ने सुझाव दिया कि उसे बीरभूम जिले में उस शहर में भेजना सही होगा जहां उसके पिता रहते हैं। चीफ मेडिकल ऑफिसर को सोनाली को सभी मेडिकल सुविधाएं देने का निर्देश दिया जाता है। चिकित्सा सुविधाओं का खर्च राज्य सरकार द्वारा फ्री में उठाया जाएगा। चूंकि उनका 8 साल का बच्चा भी उनके साथ है, इसलिए बच्चे की दिन-प्रतिदिन की देखभाल राज्य सरकार द्वारा की जानी चाहिए।' कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को तय की है।

कर दिया था डिपोर्ट- सुनाली के पिता के अनुसार, उनका परिवार बीस साल से भी ज्यादा समय से दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 26 में दिहाड़ी मजदूरी करता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 18 जून को पुलिस ने परिवार के कई सदस्यों को बांग्लादेशी प्रवासी होने के शक में हिरासत में लिया और नौ दिन बाद, 27 जून को उन्हें सीमा पार धकेल दिया।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव में उलटफेर

भाजपा को 2 सीटों का नुकसान आप को 3, कांग्रेस का खुला खाता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली में सत्ता का सेमीफाइनल हो गया। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्ड में हुए उपचुनाव के नतीजे आ गए। एमसीडी उपचुनाव में भाजपा को घाटा हुआ है, जबकि कांग्रेस को फायदा हुआ है। आम आदमी पार्टी की स्थिति जस की तस बनी हुई है। भाजपा 7 सीटों पर जीतने में कामयाब रही है। पिछली बार से 2 सीट कम है। 30 नवंबर को जिन 12 वार्ड में मतदान हुआ था, उनमें से नौ वार्ड पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जबकि बाकी पर आम आदमी पार्टी (आप) के निगम पार्षद थे। कहा जा सकता है, एमसीडी यानी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों में हुए उपचुनावों भाजपा का दबदबा बरकरार रहा। हालांकि, 2 सीटें कम हो गईं।

51 उम्मीदवारों का फैसला

एमसीडी उपचुनाव के लिए मतगणना आज यानी तीन दिसंबर (बुधवार) सुबह आठ बजे से हुई। 12 वार्ड में हुए उपचुनाव में 51 उम्मीदवारों के भविष्य का फैसला हुआ। एमसीडी उपचुनाव में 12 वार्ड में से 7 सीटों पर भाजपा की जीत हुई, जबकि आप 3 सीटों पर ही बरकरार रही. कांग्रेस को एक सीट मिली है और एक निर्दलीय के खाते में गई है। एमसीडी उपचुनाव के लिए 30 नवंबर को वोटिंग हुई थी। इन उम्मीदवारों का भाग्य 30 नवंबर को ईवीएम में बंद हो गया था। चुनाव आयोग अब रिजल्ट जारी कर दिया है।

सन फार्मा नए संयंत्र पर करेगी निवेश

नई दिल्ली। सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज की एक इकाई मध्य प्रदेश में नए विनिर्माण संयंत्र पर 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। मुंबई स्थित दवा कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सन फार्मा लैबोरेटरीज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने राज्य में नई फॉर्मूलेशन विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी सूचना के अनुसार, नए विनिर्माण संयंत्र पर 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है।

Bilasa Devi Kevat Airport Bilaspur (Chakarbhatha)
Directorate of Aviation, Government of Chhattisgarh

संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन

क्रमांक 303/BDKAB/नो.अधि./2025 बिलासपुर दिनांक 03/12/2025

संचालक विमानन संचालनालय मंत्रालय नया रायपुर छ.ग. के पत्र क्र. ESTB-101(2)/92/2025/DOA/994 दिनांक 25/11/2025 के द्वारा स्वीकृत निम्नांकित पद पर संविदा नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है, पद का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पद का नाम	विशेष संविदा वेतन	वेतनमान	पद संख्या
1	Chief Security Officer	60000.00	वे.मे.ले.-13	01 (अनारक्षित)
2	Assistant Executive	50800.00	वे.मे.ले.-12	01 (अनारक्षित)
3	Accountant	23350.00	वे.मे.ले.-06	01 (अनारक्षित)
4	Assistant Grade -III	18000.00	वे.मे.ले.-04	01 (अनारक्षित)

उपरोक्त पद के लिये शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं विस्तृत जानकारी शासन के वेबसाइट https://bilaspur.gov.in पर उपलब्ध है। इच्छुक आवेदक अपना आवेदन-पत्र दिनांक 26/12/2025 शाम 5:00 बजे तक नोडल अधिकारी, बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट चकरभाठा, बिलासपुर छ.ग. पिन कोड-495220 के पते पर केवल रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है।

नोडल अधिकारी
बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट
चकरभाठा, बिलासपुर (छ.ग.)

चीन का पहला रीयूजेबल रॉकेट लॉन्च फेल

बीजिंग। चीन की लीडिंग प्राइवेट स्पेस कंपनी लैंडस्पेस ने 3 दिसंबर को अपना पहला रीयूजेबल रॉकेट जेडक्यू-3 Y1 लॉन्च किया। रॉकेट ने सफलतापूर्वक ऑर्बिट हासिल की, लेकिन फर्स्ट स्टेज बूस्टर की लैंडिंग के दौरान खराबी आ गई। यह रिकवरी साइट के ऊपर फट गया। यह चीन का पहला ऐसा प्रयास था जहां रीयूजेबल रॉकेट को ऑर्बिट में भेजा गया। अमेरिका अब भी इकलौता देश है, जिसका ऑर्बिटल क्लास बूस्टर धरती पर सफलतापूर्वक लौटा है। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए सबसे पहले ऐसा किया था। इसके अलावा, जेफ बोजेस की कंपनी ब्लू ओरिजिन ऐसा कर चुकी है। पिछले महीने न्यू ग्लेन रॉकेट अपने दूसरे मिशन में बूस्टर को रिकवर करने और रीयूज करने में कामयाब रहा था।

सीआईआई बेंगलुरु 'एक्सकॉन 2025' की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ नौ दिसंबर से बेंगलुरु में चार दिवसीय विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन' की मेजबानी करेगा। इस प्रदर्शनी का मकसद विनिर्माण उपकरण और उन्नत विनिर्माण में देश के नेतृत्व को दर्शाना है। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' का आयोजन नौ दिसंबर से 13 दिसंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में मदर इंडिया फॉर्मिंग 'प्रिसीजन शीट-मेटल कोल्ड-रोल फॉर्मिंग' में देश की बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

कार्यालय नगर पंचायत भानुप्रतापपुर जिला - उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

क्र / 641 / लो.नि.वि. / न.पं. / 2025-26 भानुप्रतापपुर, दिनांक 03/12/2025

-: ई-प्रोक्यूरमेंट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना :-
Main Portal:- https://eproc.cgstate.gov.in

नगर पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (टी.डी.आर./ एफ.डी. आर. में)	कार्य अवधि	रिमार्क
1	181007	CONSTRUCTION OF SHOPPING COMPLEX AT DALLIRAJHARA ROAD AT WARD NO. 03 BHANUPRATAPPUR (निकाय/ प्रीमियम मद)	168.55	126500.00	12 माह	सक्षम श्रेणी में पंजीकृत

उपरोक्त निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं शर्तें उल्लेखित वेबसाईट एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण विभाग शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

ई-प्रोक्यूरमेंट बीड सबमिट करने की अंतिम तिथि 31.12.2025 को शाम 5.30 बजे तक एवं फिजिकल डाक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 05.01.2026 को शाम 5.30 बजे तक तथा ई-निविदा खोलने की तिथि 06.01.2026 को प्रातः 11.00 बजे निर्धारित की गई है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत, भानुप्रतापपुर, जिला- उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)

No. 03-03/ TN-392/5273 Raipur, Dtd 02 /12/2025

E-TENDER NOTICE NO. TN-392

Online bids are invited for Supply/ work as mentioned below:-

S. No.	Tender no. /RFx no.	Description	Submission Date & time
1.	DW-485/25-26 8100047930 (With RLA)	Supply, Installation, Testing & Commissioning (SITC) of IP based HD CCTV Surveillance system for AB type and CD type colony and for 24x7 operation & monitoring of CCTV system for three years and post warrantee non comprehensive AMC of IP based CCTV surveillance system for two years at DSPM TPS Korba East.	29.12.2025 Up to 15:00 Hrs
2.	MW-486/25-26 8100047929 (With RLA)	Annual Operation and maintenance contract of Signaling and Telecommunication (S&T) system installed at ABVTPS, Marwa and Y-Point Kanhaiband as per Indian railway Norms Including working rules of the station, General & Subsidiary rule book, operating manual dealing with "Working of Stations" and Block working manual as amended from time to time.	29.12.2025 Up to 15:00 Hrs

For details please visit our website https://cspc.co.in or e-bidding portal:- https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal

SAVE ELECTRICITY

EXECUTIVE DIRECTOR(S&P:GEN)
CSPGCL:RAIPUR

केनरा बैंक Canara Bank
A Govt. of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल फोन : 8989014648

ई-नीलामी सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 6(2) का परन्तुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 6(2) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **26/12/2025** को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहां है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
ऋणीः **श्री संदीप लाल पुत्र स्व. डॉ. एलएमबी लाल** मकान नं. 214, मिशन कंपाउंड, तिलक वार्ड मुंगेली (छ.ग.) 495334	भूमि एवं भवन स्थित सर्वे नंबर 431/16, लेआउट प्लॉट नंबर 56, ट्यूलिप गार्डन, हाउसिंग सोसाइटी, फोन नंबर 46 क्षेत्र 0.015 हेक्टेयर/1650 वर्ग फीट, मौजा बिनौरी, आरएनएम सकारी, तहसील तखतपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.) -495330 संपत्ति मालिक- संदीप लाल पुत्र स्वर्गीय डॉ. एलएमबी लाल डीड के अनुसार चर्तुसीमाएंः पूर्वः निस्तारी रोड, पश्चिमः लेआउट प्लॉट नंबर 63,उत्तरः लेआउट प्लॉट नंबर 55, दक्षिणः लेआउट प्लॉट नंबर 57 BAANKNET PROPERTY ID: CNRBSANDEEPLAL COORDINATES: 22.120009, 82.041274 सांकेतिक कब्जा	18.01.2025 / 25.03.2025 / दि. 04/12/2025 को ₹ 27,52,539.15/- +देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 34,20,000/- / ₹ 3,42,000/- / ₹ 10,000/-

धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 25/12/2025 या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक
ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 26/12/2025, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)

(1) इच्छुक बोलीदाताओं को आरक्षित मूल्य की 10% अग्रिम राशि (ईएमडी) सीधे मेसर्स पीएसबी अलायंस प्राइवेट लिमिटेड (baanknet.com) पोर्टल के ई-वॉलेट में जमा करनी होगी या चालान जनरेट करके बोली जमा करने की उपरोक्त तिथि को उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
(2) सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी सहित) उसके पक्ष में बिक्री होने के तुरंत बाद जमा करना होगा और शेष राशि बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता उपरोक्त अनुसार बिक्री मूल्य का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी।
(3) सभी शुल्क, स्टांप शुल्क/जीएसटी पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किसी भी स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।

विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबपोर्टल http://BAANKNET.com देखें अथवा सम्पर्क करें- मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल 8989014648, 8057766078, 9755569030 9691096410, 9123403299 (भोपाल), 7905027805 (जबलपुर एवं बिलासपुर), 7683068902 (रायपुर), 9140476074 (ग्वालियर), 9830130770 (इंदौर), 8073562754 (BHOPAL)

दिनांक : 04-12-2025, स्थान : भोपाल — प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

खाते-पीते समय जब महसूस हो गले में दर्द

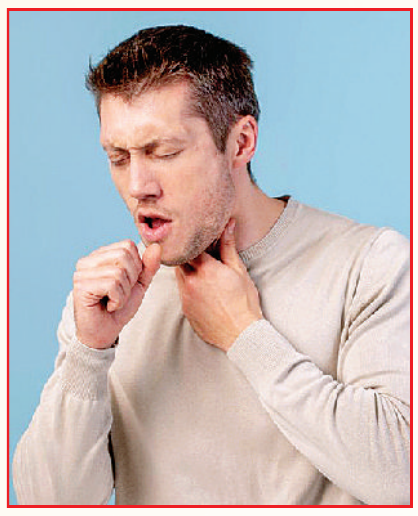

मेरी उम्र 32 वर्ष है पिछले कुछ दिनों से कुछ भी खाते-पीते समय मेरे गले में दर्द होता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और मेरी यह प्रॉब्लम कैसे ठीक होगी?

-राजन, रायपुर

इस समय गले में दर्द जैसी समस्या का एक बड़ा कारण मौसम चेंज होना है। इसके साथ ही कई शहरों में प्रदूषण भी इसकी बड़ी वजह बन गई है। इसके लिए सबसे पहले आप सुबह और शाम को गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि फ्रिज में रखी कोई भी ठंडी चीज बिल्कुल ना खाएं। वहीं प्रदूषण से बचने के लिए जब आप घर के बाहर निकलें तो मास्क लगाकर निकलें। इस तरह थोड़ा चेंज करने से आपको लाभ मिलेगा।

मेरी उम्र 27 वर्ष है। कुछ दिन पहले मेरे नाक से अचानक खून रिसने लगा था। पिछले एक महीने में ऐसा दो बार हो चुका है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हुआ, यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-अंकुर, बिलासपुर

इस तरह की परेशानी आमतौर पर गर्मियों में लोगों को देखी जाती है लेकिन इस मौसम में भी ऐसा हो रहा है तो एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। कई बार इसकी वजह ब्लड प्रेशर का अधिक होना भी पाया गया है। आप एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क करें। वह जांच कर इसका सही कारण पता लगाएंगे और ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे खांसी आ रही है। ज्यादा खांसी की वजह से कभी-कभी सांस लेने में भी दिक्कत होती है। प्लीज इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-रवि, दुर्ग

लंबे समय से खांसी कई बार चेस्ट में इंफेक्शन की वजह से भी हो जाती है। लेकिन यह बगैर डॉक्टर के चेक करवाए नहीं बताया जा सकता है। आप आस-पास किसी डॉक्टर से एक बार चेस्ट की जांच करा लें। अगर इंफेक्शन होगा तो उसकी दवा चलेगी। इसके बाद भी अगर आराम ना मिले तो एक बार टीबी की जांच भी करानी चाहिए। लोगों में कई बार यह भी खांसी की वजह होती है। फिलहाल आप गुनगुना पानी पिएं और सुबह शाम नमक वाले पानी से गरारा जरूर करें।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। मेरे पैर अकसर ही सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई संसेशन नहीं होता। कई बार इस वजह से चलने-फिरने में लड़खड़ाहट होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-सुमित, भोपाल

हालांकि आपकी उम्र अभी कम है, लेकिन फिर भी आप एक बार न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करें। क्योंकि आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको न्यूरो से संबंधित कुछ प्रॉब्लम हो सकती है। हालांकि कई बार नर्वस सिस्टम में इसकी वजह बनता है लेकिन बगैर जांच किए कोई भी ट्रीटमेंट शुरू नहीं किया सकता है।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-मधुसूदन, महेंद्रगढ़

नींद की गोलियां कहीं ना कहीं साइड इफेक्ट जरूर करती हैं, इसलिए कोशिश करें कि नींद की गोलियां न खाई जाएं तो बेहतर है। आपको योग और मेडिटेशन करना चाहिए। रात में सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीना चाहिए और पैर धोकर बेड पर जाना चाहिए। इस तरह कुछ बदलाव कर देखें। आपको आराम मिल सकता है। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. अतीक वासदेव
वाइस चेयरमैन-ऑर्थोपेडिक्स
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

सर्दियों में अन्य ऋतुओं की तुलना में जोड़ों की समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर जोड़ों में दर्द का प्रमुख कारण अर्थराइट्सि (गठिया) होता है। जोड़ों में सूजन और दर्द को अर्थराइटिस कहते हैं। इस दर्द के बढ़ने की क्या वजहें हैं, इनसे कैसे बचाव हो सकता है और इनसे राहत के लिए क्या करना चाहिए, विस्तार से यहां बता रहे हैं।

सर्दियों में ज्वॉइंट्स प्रॉब्लम बरतें सावधानी-मिलेगी राहत

बढ़ती उम्र के लोगों में जोड़ों के दर्द की समस्या जाड़े में बढ़ जाती है। जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस या जोड़ों से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त हैं, उनमें सर्दी के मौसम में जोड़ों से संबंधित समस्याएं इसलिए बढ़ जाती हैं क्योंकि तापमान के कम होते जाने से जोड़ों के अंदर मौजूद साइनोवियल फ्लूड गाढ़ा होने लगता है। इस कारण जोड़ों में जकड़न महसूस होती है, जिसके परिणामस्वरूप चलने-फिरने में दिक्कत महसूस होती है, खासकर सुबह के वक्त।

सर्दियों में तापमान के कम होने के कारण जोड़ों की धमनियां (आर्टरीज) सिकुड़ जाती हैं। धमनियों के सिकुड़ने से जोड़ों में रक्त संचार की प्रक्रिया समुचित रूप से संचालित नहीं होती। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में जकड़न या अकड़न और दर्द होने लगता है। ठंडे तापमान में मांसपेशियों में ऐंठन अधिक होती है, जिससे जोड़ों में सूजन, दर्द और अकड़न बढ़ जाती है।

इनको होता है ज्यादा रिस्क: जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस के किसी प्रकार से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं काफी ज्यादा बढ़ जाती हैं। वैसे तो अर्थराइटिस के बहुत प्रकार हैं, लेकिन जो लोग ऑस्टियोअर्थराइटिस (ओए), रूमेटॉइड अर्थराइटिस (आरए), गाउटी अर्थराइटिस, ट्रामेटिक अर्थराइटिस और स्पाइनल अर्थराइटिस से पीड़ित हैं, उनकी समस्याएं आमतौर पर सर्दियों के दौरान बढ़ सकती हैं। इसी तरह जो किशोर और बच्चे क्रमशः जुवेनाइल अर्थराइटिस और रूमेटिक अर्थराइटिस से ग्रस्त रह चुके हैं, उनकी परेशानी भी सर्दियों के मौसम में बढ़ सकती है।

वहीं जो लोग अतीत में किसी दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं, जिसके कारण उनकी हड्डियां और लिगामेंट आदि क्षतिग्रस्त हो चुके थे। ऐसे लोगों को ठीक हो जाने के बाद भी जाड़े के मौसम में जोड़ों में दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

ऑस्टियोअर्थराइटिस पेशेंट सावधानी बरतें: ऑस्टियो अर्थराइटिस (गठिया) का दुष्प्रभाव आमतौर पर प्रमुख जोड़ घुटनों पर पड़ता है। घुटने पर ही शरीर के भार का दबाव सर्वाधिक पड़ता है। देश में सबसे ज्यादा लोग नी ऑस्टियो अर्थराइटिस (घुटने की गठिया) से ग्रस्त हैं। जोड़ों के मध्य स्थित कार्टिलेज (जो जोड़ों के मध्य कुशन का काम करता है) बढ़ती उम्र खासकर 50 वर्ष के बाद गलत जीवनशैली के कारण घिसने लगती है। इस कारण जोड़ आपस में रगड़ते हैं और कालांतर में धीरे-धीरे क्षीण होते रहते हैं। एक ऐसी स्थिति आती है, जब पीड़ित व्यक्ति को चलने-फिरने और सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में दिक्कत महसूस होती है। लोग अपने सामान्य दिनचर्या के कार्यों में नहीं कर पाते।

ऐसे करें रोकथाम: ऑस्टियोअर्थराइटिस से पीड़ित व्यक्ति सर्दी की शुरुआत में ही अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें और उनके परामर्श के अनुसार ही दवाएं, फिजियोथेरेपी और अन्य व्यायाम करें। खान-पान में कैल्शियम युक्त आहार को वरीयता दें। अगर मरीज को असहनीय दर्द हो रहा है, तो विशेषज्ञ डॉक्टर, पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत देने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन रिफर कर सकते हैं।

रूमेटाइड अर्थराइटिस पेशेंट रहें सजग: यह अर्थराइटिस का एक विशेष प्रकार है, जिसके कारणों पर मेडिकल शोध अभी तक जारी हैं। रूमेटाइड (आरए) का उम्र बढ़ने या कार्टिलेज के क्षीण होने या फिर खान-पान से कोई लेना-देना नहीं है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ाई छेड़ देता है और इस लड़ाई का पहला हमला जोड़ की झिल्ली (सायनोवियम) पर पड़ता है।

मिल सकती है राहत: समय रहते रूमेटाइड अर्थराइटिस का समुचित इलाज न होने पर आगे चलकर प्रभावित हड्डी क्षीण होने लगते हैं, लेकिन फिजियोथेरेपी, योग और व्यायाम करने से पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत मिलती है। रूमेटाइड अर्थराइटिस का कोई स्थाई इलाज है। इसके साथ ही शरीर के इम्यून सिस्टम में आई गड़बड़ी को दूर करने या नियंत्रित करने के लिए जो दवाएं दी जाती हैं, उन्हें इम्यूनोमॉड्यूलेटर्स कहते हैं। रूमेटाइड अर्थराइटिस शरीर के अन्य जोड़ों को भी प्रभावित करता है, लेकिन इसकी शुरुआत हाथों की उंगलियों में सूजन से होती है, सूजन के साथ मरीज को तेज दर्द होता है। इसलिए सर्दियों में रूमेटाइड अर्थराइटिस वाले डॉक्टर से परामर्श लेते रहें।

डॉक्टर के परामर्श से ही दवाएं लें। जोड़ों का दर्द कम करने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन के अलावा कभी-कभी डॉक्टर स्टेरॉयड के इंजेक्शन भी पीड़ित मरीज को रिफर कर सकते हैं। ऐसे इंजेक्शंस के अपने लाभ भी हैं और इनके साइड और आफ्टर इफेक्ट भी। इसलिए स्टेरॉइड दवाओं को योग्य चिकित्सक की देख-रेख में ही लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी दवाओं को लंबे समय तक लेने से फायदा कम नुकसान ज्यादा हो सकता है।

कंधों का पोस्चर सही रखें: कंधे भी आपके शरीर के प्रमुख जोड़ हैं। सर्दियों में इनमें भी दर्द और जकड़न की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में इन बातों पर ध्यान दें।

- चलते समय कंधों को झुकाकर न चलें और न ही इन्हें उठाकर चलें।
- कंधे से संबंधित व्यायाम करें।
- झटके से वेट न उठाएं।
- बिना वार्म अप के किसी भी खेल की प्रैक्टिस न करें।
- उपरोक्त बातों पर ध्यान देने पर आप कंधों में दर्द की समस्या से बचे रहेंगे।

ज्वाइंट्स पेन से ऐसे मिलेगी राहत: विशेषज्ञ से परामर्श, जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और मांसपेशियों में कमजोरी जैसे लक्षणों के मद्देनजर अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। ऑस्टियोअर्थराइटिस के जिन मरीजों को दवाओं, खान-पान और व्यायाम आदि से राहत नहीं मिल पा रही है, तो ऐसे व्यक्तियों को ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट परामर्श दे सकते हैं।

वजन संतुलित रखें: सर्दियों में आमतौर पर लोगों को ज्यादा भूख महसूस होती है और लोग अपना पसंदीदा खाना कुछ ज्यादा खाते हैं। जाड़े के कारण उनकी आउटडोर शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में वजन सर्दियों में बढ़ जाता है। अधिक वजन घुटनों और कूल्हों जैसे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों में दर्द की समस्या का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए सही वजन बनाए रखने के लिए अपने आहार पर विशेष ध्यान दें और जोड़ों के अनुकूल व्यायाम करें।

हाइड्रेट रहें: जो लोग ज्यादा शारीरिक श्रम नहीं करते हैं और किडनी रोग से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें कम से कम प्रतिदिन दो-तीन लीटर पानी पीना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने से आमतौर पर जोड़ों में दर्द की समस्या कम होती है। कुनकुने पानी से नहाने से भी आपको जोड़ों के दर्द में राहत मिल सकती है।

विटामिन-डी सप्लीमेंट: शरीर में विटामिन-डी की कमी से जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ सकती है। ऑस्टियोपोरोसिस (हल्का-सा आघात लगने पर हड्डियों का टूटना) का खतरा भी बढ़ जाता है। विटामिन-डी सप्लीमेंट लेने के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवन: ओमेगा-3 फैटी एसिड्स सर्दियों के दिनों में होने वाली जोड़ों की सूजन, अकड़न और दर्द को कम करने में लाभप्रद हैं। अपने आहार में एवोकाडो, अलसी, अखरोट या फिश को शामिल करें।

सुबह की धूप: विटामिन-डी का एक अच्छा प्राकृतिक स्रोत है धूप। यह हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। धूप में बैठने से जोड़ों के दर्द और सूजन में राहत मिलती है।

कंप्यूटर पर कार्य करने वाले ध्यान दें: लगातार कई घंटों तक एक ही कुर्सी और कंप्यूटर के आगे बैठे-बैठे आपके जोड़ अकड़ जाते हैं, इसलिए ऑफिस में लगभग डेढ़ घंटे में सीट छोड़कर पांच मिनट के लिए घूमे-फिरें, शरीर को स्ट्रेच करें।

राहत दे सकते हैं ये तरीके: प्रभावित जोड़ों पर गर्म और ठंडे पानी की पट्टियों के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। गर्म पानी की बोतल का इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं एक कपड़े में लपेटकर बर्फ के टुकड़ों (आइस क्यूब्स) को दर्द से प्रभावित स्थान पर इस्तेमाल कर सकते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

हर्बल जोन / रेखा देशराज

मौसमी रोगों से बचाए अदरक-तुलसी

अदरक और तुलसी यूं तो हर मौसम में शरीर के लिए अलग-अलग वजहों से फायदेमंद हैं। लेकिन सर्दियों की समस्याओं के लिए ये बहुत ही कारगर साबित होते हैं। सर्दियों की सबसे आम और परेशान करने वाली समस्याओं से छुटकारा दिलाने में इनका कोई सानी नहीं है। सर्दी के मौसम में शरीर की आंतरिक गर्मी घट जाती है। खून का प्रवाह धीमा पड़ जाता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए आयुर्वेद में सर्दियों का मुकाबला करने के लिए इनको सर्वोत्तम माना गया है। ये शरीर को बाहर से आने वाली ठंड और भीतर से पैदा होने वाली अशक्तता से हमें बचाते हैं।

नेचुरल हीटर अदरक: जब ठंडी हवा से शरीर का तापमान गिरने लगता है, तब अदरक का इस्तेमाल करने से तापमान गिरने से रुक जाता है। सर्दियों में अदरक के इस्तेमाल से, नाक जाम होने से, गला खराब होने से और बलगम बनने से रोकता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से हाथ-पैर गर्म रहते हैं। यही नहीं अदरक इस मौसम में हमारे पाचन को भी सुधारता है और शरीर में एहसास होने वाले भारीपन को खत्म करता है। सवाल है, इसे कैसे ले सकते हैं? सुबह के समय अदरक वाली काली चाय या काढ़ा विशेष रूप से कारगर है। अगर यह नहीं लेते तो शहद के साथ अदरक का एक छोटा टुकड़ा मुंह में चूसने से भी शरीर को भरपूर गर्मी मिलती है। अदरक इस मौसम में हमारे रक्त संचार को तेज करता है और शरीर को गर्म रखता है। अदरक पाचन के लिए इस मौसम की सबसे कारगर दवा है।

रोगरोधी पौधा-तुलसी: आयुर्वेद में तुलसी को सर्दी के मौसम का सबसे शक्तिशाली रोगरोधी कवच माना जाता है। यह एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। इसलिए इस मौसम में होने वाली खांसी और गले की सूजन को रोकती है। सांस की नली साफ रखती है और ठंड में फैलने वाले वायरस की रोकथाम करती है। इस तरह देखा जाए तो तुलसी सर्दियों में नाक, कान, गला तीनों की सुरक्षा करती है। जहां तक सवाल है कि इसे कैसे लें, तो इसका सबसे अच्छा तरीका तुलसी की सात से दस पत्तियां सुबह-सुबह चाय या काढ़े के साथ लें या चार पत्तियां उबालकर भाप भी ली जा सकती है। अदरक और तुलसी मिलकर सर्दी, जुकाम के वायरस को बढ़ने नहीं देते हैं। दोनों का एक साथ सेवन बहुत कारगर है। तुलसी गले को नेचुरल एंटीसेप्टिक की तरह साफ करती है और अदरक गर्माहट देकर गले की सूजन और दर्द कम करती है। इसलिए सर्दियों में ठंडी हवाओं के असर से वो लोग बचे रहते हैं, जो इस मौसम में इन दोनों का इस्तेमाल करते हैं। *

अवेयरनेस

रेखा

एपिलेप्सी या मिर्गी मस्तिष्क संबंधी रोग है। यह घातक तो नहीं होता लेकिन इस वजह से रोगी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके कारण, इससे बचाव करने, इसे कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में सभी को जागरूक होना चाहिए।

एपिलेप्सी नियंत्रण के साथ जागरूकता की है जरूरत

अनुमान के मुताबिक भारत में एक करोड़ से एक करोड़ 20 लाख के आस-पास मिर्गी (एपिलेप्सी) रोगी हैं, जबकि दुनिया में कुल मिर्गी रोगियों की संख्या करीब 5 करोड़ है। इस तरह देखा जाए तो दुनिया का हर पांचवां मिर्गी रोगी भारत में है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और लैंसेट न्यूरोलॉजी रिपोर्ट के मुताबिक भारत मिर्गी रोगियों का सबसे बड़ा देश है। दुनिया के करीब एक करोड़ 20 लाख से एक करोड़ 50 लाख के आस-पास मिर्गी रोगी अफ्रीका महाद्वीप में रहते हैं। मिर्गी रोगियों का एक बड़ा हब संयुक्त राज्य अमेरिका भी है, जहां 30 से 40 लाख मिर्गी रोगी रहते हैं। भारत में दुनिया के सर्वाधिक मिर्गी रोगी होने की बड़ी वजह यही है कि भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, इसलिए यहां मिर्गी रोगी भी सबसे ज्यादा हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि भारत के ग्रामीण इलाकों और विशेषकर गरीब आबादी के पास इसके इलाज की पहुंच नहीं है।

रोग के कारण: मिर्गी अपने आपमें कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों में असंतुलन की स्थिति है और ऐसा कई वजहों से होता है। जन्म के समय या बचपन में मस्तिष्क को गंभीर चोट लग जाना, जिससे कुछ देर के लिए दिमाग के कुछ हिस्से में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। सिर की चोट, मस्तिष्क में ट्यूमर, लकवा यानी स्ट्रोक तथा आनुवांशिक कारण भी भारत में सर्वाधिक मिर्गी रोगियों के लिए अनुकूल स्थितियां बनाते हैं। ज्यादा शराब पीने वाले या बहुत कम नींद लेने वाले लोगों को भी यह समस्या हो जाती है। इसके अलावा 10 फीसदी लोगों के संबंध में मेडिकल साइंस कभी यह नहीं जान पाती कि उन्हें मिर्गी रोग होने का क्या कारण है? इसलिए तमाम लोगों को अस्पष्ट कारणों से भी मिर्गी होती है।

रिस्क को कर सकते हैं कम: विशेषज्ञों की मानें तो मिर्गी को तो पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता, लेकिन सजग रहकर इसके जोखिम को कम किया जा सकता है। मिर्गी रोग से बचने के जो सजग उपाय हो सकते हैं, वो इस प्रकार हैं।

जन्म के समय सुरक्षित प्रसव जरूरी है ताकि बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल सही तरीके से हो सके और प्रसव के दौरान उसके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी की स्थितियां न पैदा हों। सिर की चोट से बचाव करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा मैनिनजाइटिस और जापानी इंसेफेलाइटिस के टीके लगवाना भी जरूरी होता है। पर्याप्त नींद लें, नशे से दूर रहें, तनाव से बचें, ये कुछ ऐसे उपाय हो सकते हैं, जिनसे मिर्गी की चपेट में आने से बचा जा सकता है।

ऐसे कर सकते हैं कंट्रोल: अगर आप मिर्गी से ग्रस्त हो गए तो भी कुछ उपायों को अपनाकर इसे कंट्रोल कर सकते हैं। सबसे जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट से नियमित दवा लें, दवा अचानक लेना बंद न करें, इससे दौरे बढ़ सकते हैं। संतुलित जीवनशैली अपनाएं, ध्यान, योग और परिवार का सहयोग जैसे उपाय भी मिर्गी के इलाज और स्थिति पर नियंत्रण रखने की दृष्टि से मददगार हैं। मिर्गी के कुछ गंभीर मामलों में सर्जरी या वेगस नर्व स्टिमुलेशन (वीएनएस) जैसी तकनीकें भी कारगर होती हैं।

जागरूकता की है जरूरत: वास्तव में मिर्गी मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से एक है और चूंकि भारत में मस्तिष्क स्वास्थ्य अभी गरीब और निम्न वर्ग तथा मध्यवर्ग के लोगों के बीच इससे बचाव की सुविधाएं और समझ सीमित है। ग्रामीण इलाकों में लोग इसे भूत-प्रेत या टोना टोटका से जोड़ देते हैं। इससे इलाज में देर होती है और रोगी की दशा बिगड़ती जाती है। इस बीमारी के कारण कई लोगों को रोजगार, विवाह या शिक्षा के अवसरों से वंचित होना पड़ता है। इसलिए अवेयरनेस फैलाने की भी जरूरत है। *

डाइट सजेशन

डॉ. माजिद अलीम

जरूरी नहीं कि हर हेल्दी फूड आपको फायदा ही पहुंचाए। अगर उसे आप सही तरीके से नहीं लेते तो फायदेमंद खाद्य पदार्थ भी कोई लाभ नहीं पहुंचाएगा या हो सकता है आपको नुकसान पहुचा दे। इसलिए यह जानना जरूरी है कि किसी फूड आइटम को कैसे ग्रहण करना चाहिए?

हेल्दी फूड्स लेने का तरीका भी हो सही

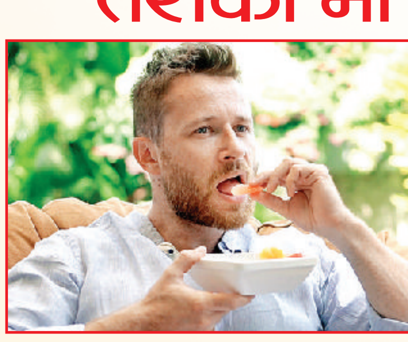

हमारे खान-पान में बहुत सारी ऐसी चीजें होती हैं, जिनके फायदेमंद होने में कोई शक नहीं होता, लेकिन अगर उन्हें सही तरीके से न लिया जाए तो उनके फायदों से ज्यादा नुकसान भी हो सकते हैं। आइए कुछ ऐसी ही बातें जानते हैं।

इन बातों को रखें ध्यान: ड्राय फ्रूट्स खाना बढ़िया होता है, इससे खूब फाइबर मिलता है। पर क्या आप जानते हैं, फल जो सुखा दिए जाते हैं, उनके भीतर अपने ताजे स्वरूप से तीन गुना से भी ज्यादा कैलोरी होती है। शुगर की मात्रा भी बढ़ जाती है।

मूंगफली छीलकर खाना लाभकारी है पर डिब्बा या पैकेट में नमक लगाकर तली मूंगफली खाना नुकसानदेह है। केले में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन-सी और थोड़ा-सा फैट तथा थोड़ी कैलोरी मिलती है, पर इसके मुकाबले में इसके चिप्स में तीन गुना कैलोरी और 20 प्रतिशत अधिक फैट होता है। इसलिए सोच-समझकर सेवन करें।

फलों का जूस: फ्रूट जूस पीना बढ़िया है पर यह तब नुकसानदायक हो जाता है, जब यह ताजा न हो। इसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। बहुत से लोग फल खाने से ज्यादा जूस पीने को तरजीह देते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि जूस के जरिए एक साथ आप खूब सारी शुगर ले रहे होते हैं और फल से मिलने वाले लाभदायक फाइबर से भी वंचित रह जाते हैं। ताजा जूस पी सकते हैं लेकिन फल खाने को तरजीह देनी चाहिए। हालांकि इसमें भी सावधानी की दरकार है। जो भी फल खाएं, खूब अच्छी तरह धोकर ही खाएं।

अंडे: हेल्थ बनाने के लिए ही नहीं मोटापा कम करने के लिए भी अंडे बहुत बढ़िया हैं, पर तभी जब ये देसी वाले हों। कहने का मतलब ऑर्गेनिक हों यानी बिना कृत्रिम खाद्य पदार्थों, शाकाहारी शुद्ध दानों पर पले मुर्गे-मुर्गियों के अंडे हों। जब ऑमलेट खाएं तो साथ में उबली सब्जियां भी लें, यह और फायदेमंद रहेगा।

मल्टीग्रेन ब्रेड: ब्राउन ब्रेड के अलावा आजकल बाजार में मल्टीग्रेन और होल ग्रेन ब्रेड की डिमांड है। बताया जाता है कि मल्टीग्रेन में कई तरह के अनाजों का आटा मिला हुआ होता है और यह होल ग्रेन यानी समूचे गेहूं के आटे से बना ब्रेड फाइबर से भरा तथा सेहत के लिए लाभकारी होता है। जबकि अधिकतर अनाज का रिफाइंड आटा ही इसमें होता है। इसके खाने से शुगर बढ़ सकती है। इस तरह यह मोटापे और डायबिटीज का रिस्क बढ़ा सकती है।

सोयाबीन: सोयाबीन प्रोटीन का खजाना है लेकिन कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में रुकावट भी पैदा करता है। सोयाबीन में फायटिक एसिड पाया जाता है, जो कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, लौह तत्वों को शरीर में सोखने से रोकता है। इसमें टिंप्सिन भी मिलता है, जो प्रोटीन के पाचन में दिक्कत करता है और अग्नाशय के कार्य में रुकावट डालता है। इससे बना टोफू हो या बड़ियां सीमित मात्रा में खाइए। आजकल फ्लेवर्ड सोया मिल्क पीने का फैशन है। हालांकि यह बुरा नहीं है पर जैसे ही वनीला या चॉकलेट फ्लेवर इसमें मिलाया जाता है, इसके हर कप में 50-60 कैलोरी और 5 ग्राम शुगर बढ़ जाती है। इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। *

परसोडी कला में अमेरा खुली खदान का विरोध, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, भांजी लाठी

खदान विस्तार को लेकर संघर्ष ने लिया खूनी रूप, जमकर हुई पत्थरबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनपुर/रजपुरीकला

अमेरा खुली खदान के विस्तार को लेकर चल गतिरोध ने आखिरकार खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। एसईसीएल को कोयला उत्खनन के लिए अपनी जमीन देने का विरोध कर रहे ग्राम परसोडी कला ग्रामीण बुधवार को उग्र हो गए। कब्जा खाली कराने पहुंची पुलिस व प्रशासनिक टीम पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया और जमकर पत्थरबाजी की। इस पत्थरबाजी मे अपर कलेक्टर, एएसपी सहित अन्य अधिकारी, पुलिसकर्मी घायल हुए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से भी पत्थर चलाने के साथ ही आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठी भांजी गई। इस जवाबी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई है। परसोडी कला गांव व आसपास के क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

खास बात

- बचाव में पुलिस ने भी चलाए पत्थर, दर्जनों पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल, स्थिति तनावपूर्ण

बता दें कि अमेरा खुली खदान के विस्तार को लेकर क्षेत्र के परसोडी कला, कटकोना गांव में विवाद की स्थिति महीनों से बनी हुई है। एसईसीएल और ग्रामीणों के बीच वर्षों से भूमि अधिग्रहण को लेकर गतिरोध जारी है लेकिन नवम्बर 2024 से एसईसीएल प्रबंधन और ग्रामीण आमने सामने है। इस दौरान दो बार ग्रामीणों ने एसईसीएल के कर्मचारियों पर हमला भी किया एसईसीएल प्रबंधन और माइनिंग कंपनी के लोग घायल हुए थे। भूमि अधिग्रहण के बाद एसईसीएल प्रबंधन कोयला उत्खनन करना चाह रही है जबकि ग्रामीण अपनी जमीन कोयला खदान के लिए देने को तैयार नहीं है। वर्षों से चले आ रहे संघर्ष के बीच बुधवार को अधिग्रहित भूमि का एसईसीएल प्रबंधन को कब्जा दिलाने के लिए अपर कलेक्टर सुनील नायक, एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में पुलिस व प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची थी। प्रशासन ने ग्रामीणों को शुरुआत में समझाइश देकर जमीन का कब्जा खाली करने के निर्देश दिए लेकिन अपनी जिद पर अड़े रहे। जमीन नहीं देना चाहते है ग्रामीण- बता दें कि ग्रामीण एसईसीएल को कोयला उत्खनन के लिए अपनी जमीन नहीं देना चाहते है। ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन उनके जीविकोपार्जन का साधन है। पुश्तों से वे इस जमीन पर निवास करते आ रहे है अब खदान के लिए जबरन भूमि अधिग्रहण होने से वे बेघर हो जाएंगे। उनके पास जीवन जीने का कोई साधन नहीं होगा। उन्हें ना ही कोई नौकरी चाहिए और ना ही मुआवजा चाहिए। कुछ ग्रामीण अपने बच्चों के लिए नौकरी की मांग कर रहे है लेकिन अधिकारी उन्हें प्रक्रियाओं में उझला रहे है।

2001 में किया गया था अधिग्रहण- बता दें कि अमेरा खुली खदान के विस्तार हेतु वर्ष 2001 में भूमि का अधिग्रहण किया गया था। भूमि कोल बेयरिंग एक्ट के तहत भूमि का अधिग्रहण किया गया था। इसमें लगभग 462 भूखंडों का मुआवजा दिया जाना था। अब तक की स्थिति में महज 20 प्रतिशत लोगों ने ही अपना मुआवजा लिया है। बाकी शेष ग्रामीण आज भी विरोध पर अड़े हुए है। ग्रामीणों का कहना है कि ना ही उन्हें मुआवजा चाहिए और ना ही नौकरी। वे अपनी जमीन कोयला उत्खनन के लिए नहीं देंगे। वर्षों से भूमि अधिग्रहण के बाद मुआवजा वितरण नहीं होने के कारण मुआवजा प्रकरण का मामला ट्रिब्यूनल में चला गया है। आरोप है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान 12वीं कक्षा के एक छात्र को पुलिस ने हिरासत में ले लिया जिसके बाद विवाद की स्थिति बन गई। भारी संख्या में पुलिस बल ने एकत्रित हुए ग्रामीणों को खदेड़ने का प्रयास किया तो ग्रामीणों की ओर से पत्थरबाजी शुरू कर दी गई। ग्रामीणों ने अपनी ओर से पटाखा जलाकर फेखने के साथ ही पत्थर फेंका गया और गुलेल का भी उपयोग किया गया। इस हमले में पुलिसकर्मी घायल हो गए। पत्थरबाजी के कारण पुलिसकर्मी आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। अचानक हुए हमले के बाद पुलिस ने भी अपनी ओर से जवाबी कार्रवाई की और पत्थर चलाकर ग्रामीणों को खदेड़ने का प्रयास किया।

मौके पर मौजूद पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी।

वर्ष 2011 से चल रहा है खनन कार्य

अब इस मामले में एसईसीएल प्रबंधन की ओर से भी बयान सामने आया है। एसईसीएल बिलासपुर जनसम्पर्क द्वारा जारी जानकारी के अनुसार अमेरा ओपनकास्ट माइंस, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की एक 1.0 एमटीपीए क्षमता वाली परियोजना है। वर्ष 2024 में राज्य प्रशासन के हस्तक्षेप एवं अतिरिक्त भूमि का कब्जा प्राप्त करने तथा प्रभावित परिवारों को निर्धारित मुआवजा एवं लाभ प्रदान करने के बाद खदान संचालन पुनः आरम्भ किया गया। अब तक परसोडीकला गांव में लगभग 10 करोड़ का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। जैसे-जैसे खनन कार्य परसोडीकला की ओर बढ़ा, भूमि मालिकों को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पुनः उकसाया गया और उन्होंने अपनी भूमि जो कि कोल बेयरिंग (अधिग्रहण एवं विकास) अधिनियम, 1957 के अंतर्गत अधिग्रहीत है खाली करने से इंकार कर दिया। उन्होंने हिंसक गतिविधियों भी की, जिसके कारण 8 नवंबर से खदान संचालन बाधित हो गया। 3 दिसम्बर को सुबह 10 बजे, जिला प्रशासन के अधिकारी एसएपी, एसडीएम-तहसीलदार और खदान अधिकारी विरोध कर रहे ग्रामीणों से वार्ता करने एवं संचालन पुनः शुरू करने हेतु परियोजना स्थल पहुंचे लेकिन ग्रामीणों ने प्रशासन की अपील नहीं मानी और अधिकारियों तथा पुलिस बल पर पथराव शुरू कर दिया। गंभीर स्थिति को गंभीर देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया और उपद्रवी भीड़ को तितर-बितर किया गया। इसके उपरांत खनन उपकरणों को फिर से तैनात किया गया और शाम 5 बजे से खनन कार्य आंशिक रूप से पुनः प्रारम्भ किया गया।

50 से अधिक पुलिसकर्मी घायल

ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुए इस संघर्ष में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी घायल हुए है। पत्थरबाजी से अपर कलेक्टर सुनील नायक को पेट व पीठ में चोट लगी जबकि एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो को पैर में चोट लगी। इसके साथ ही थाना प्रभारियों के साथ लगभग 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आई है। वहीं लगभग 12 से 15 पुलिसकर्मियों को सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई है। घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिसकर्मियों की जवाबी कार्रवाई में पूर्व सरपंच लोकनाथ उर्फ, फुलेश्वर राजवाड़े, राजेंद्र सिंह, चरण, अनीता सिंह, नंद लाल सिंह, देव चरण राम, दयालाल, मिलन राजवाड़े, मोंगली बाई, सुलेश्वर रजक, संतोष राजवाड़े, सहित अन्य महिला पुरुष ग्रामीण घायल हो गए।

मुआवजा लेने को तैयार नहीं

भूमि का अधिग्रहण कोल बेयरिंग एक्ट के तहत वर्ष 2001 में हो चुका है। कुछ लोगों ने मुआवजा और नौकरी भी ली है लेकिन अधिकांश मुआवजा लेने को तैयार नहीं है। हमने उन्हें समझाने का प्रयास किया। भू अर्जन होने के बाद फिर से किसी प्रकार की बारगेनिंग नहीं हो सकती है। हमने उनके टेंट हटवाने है। पत्थरबाजी पहले ग्रामीणों ने शुरू की जिसके बाद हमने अपना बचाव किया।

-सुनील नायक, अपर कलेक्टर

की गई है पत्थरबाजी

समझाइश के दौरान ग्रामीणों की ओर से पत्थरबाजी की गई। हमले में हमारे पुलिसकर्मी और अधिकारी घायल हुए है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे है।

-अमोलक सिंह ढिल्लो
एसएपी सरगुजा

केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन ने की कटघोरा डोंगरगढ़ नई रेल लाइन के निर्माण की मांग

बिलासपुर। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव के दिल्ली स्थित निवास में ग्रुप बैठक आयोजित की गई, इसमें उन्होंने केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू को छत्तीसगढ़ में रेलवे के हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी, जिसमें मुख्य रूप से खरसिया - परमलकाशा,उसलापुर -पेंड्रा की तीसरी लाइन, झारसुगुड़ा - बिलासपुर की चौथी लाइन,दाधापारा - बिल्हा की चौथी लाइन,बिल्हा - दगौरी चौथी लाइन,दगौरी- निपनिया चौथी लाइन, दाधापारा - निपनिया चौथी लाइन,अमृत भारत स्टेशन की जानकारी,ट्रेनों का ठहराव, ट्रेन रूट में वृद्धि और नई रेलवे लाइन की प्रगति इत्यादि की जानकारी रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दिया।इस अवसर पर श्री साहू ने केंद्रीय रेलवे मंत्री से अपने संसदीय क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित परियोजना—कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन—के शीघ्र क्रियान्वयन का अनुरोध किया। उन्होंने संसदीय क्षेत्र बिलासपुर लोकसभा में भनवारटंक रेलवे स्टेशन के पहले (मरही माता मंदिर के पास) अंडरब्रिज का निर्माण कराने, रेलवे स्टेशन सल्का के आगे सल्का–मजगांव पहुंच मार्ग पर अंडरब्रिज का निर्माण कराने, नवागांव (सल्का) – ढेलुवापुर पहुंच मार्ग पर अंडरब्रिज का निर्माण कराने, जयरामनगर (आज़ाद मोहल्ला) में अंडरब्रिज का निर्माण कराने, कोटा रेलवे स्टेशन के आगे माँ महामाया की नगरी रतनपुर के लिए ओवरब्रिज का निर्माण। जयरामनगर ओवरब्रिज का कार्य पूर्ण कराने। बिलासपुर–टाटानगर एक्सप्रेस और कोरबा–रायपुर हसदेव एक्सप्रेस का जयरामनगर स्टेशन पर ठहराव कराने की मांग की। श्री साहू ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर बिलासपुर–अयोध्या के बीच सीधी रेल सेवा शुरू करने का आग्रह भी किया है। श्री साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल होने के कारण यहाँ से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या धाम जाते हैं, परंतु सीधी ट्रेन न होने से यात्रियों को काफी असुविधा होती है।

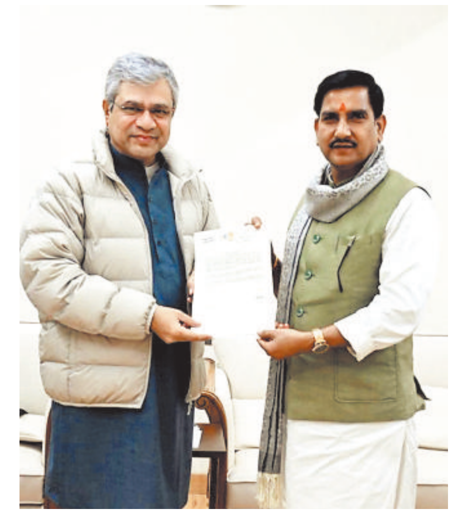

उन्होंने मांग की है कि बिलासपुर–अयोध्या के बीच एक एक्सप्रेस या विशेष ट्रेन की सुविधा प्रारंभ की जाए, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और अन्य यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। श्री साहू ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से से भी सौजन्य भेंट की। इस दौरान बिलासपुर संसदीय क्षेत्र में डिजिटल सेवाओं के विस्तार, नेटवर्क सुधार तथा डाक सेवाओं के सशक्तिकरण पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

प्रायोगिक परीक्षा में पर्यवेक्षक देंगे शपथ पत्र-सही तरीके से अपलोड हुए हैं डेटा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं के प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन, प्रोजेक्ट और इंटरनल असेसमेंट के लिए नई गाइडलाइंस और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी किए हैं। बोर्ड के एग्जामिनेशन बाय-लॉज और स्कीम ऑफ स्टडीज के अनुसार हर वर्ष प्रैक्टिकल और इंटरनल असेसमेंट कराए जाते हैं, लेकिन इंस्ट्रक्शन्स और प्रक्रिया में एकरूपता बनाए रखने के लिए इस साल कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। सीबीएसई ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे सभी नए नियमों का सख्ती से पालन करें और तय समयसीमा के भीतर असेसमेंट पूरे करें। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष परीक्षाएं के लिए समय प्रबंधन पर विशेष फोकस किया जाएगा। साथ ही स्कूलों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वेब-पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले मार्क्स बिल्कुल सही हों, क्योंकि बाद में किसी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा। सीबीएसई ने यह भी बताया है कि प्रैक्टिकल आंसर बुक में अब एक अतिरिक्त फीचर जोड़ा गया है, जिसमें दोनों परीक्षकों (आंतरिक व बाह्य) को यह अंडरटेकिंग देना होगी कि सभी डेटा सही तरीके से अपलोड किया गया है। सीबीएसई ने कक्षा 10 और 12 के प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन, प्रोजेक्ट और इंटरनल असेसमेंट के आयोजन की तिथियां पहले ही जारी कर दी हैं। नियमित सत्र वाले स्कूलों में प्रैक्टिकल परीक्षाएं 1 जनवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 के बीच आयोजित की जाएंगी। शीतकालीन (विंटर बाउंड) क्षेत्रों में स्थित स्कूलों के लिए यह परीक्षाएं पहले ही संचालित की जाएंगी।

प्रोफेसर से लूट व अपहरण : शिक्षक सीएफ के जवान समेत 5 गिरफ्तार

चार दिन पहले शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में हुई थी वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवरीनारायण

प्रोफेसर से लूटपाट एवं अपहरण करने के मामले में सीएफ का जवान, शिक्षक एवं एक अपचारी बालक समेत 5 आरोपियों को गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। घटना शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के नगर पंचायत खरौद की है।

इस संबंध में शिवरीनारायण पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रोफेसर रामकुमार सिंह कंवर ने 1 दिसंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 नवंबर को उन्हें कुछ लोगों ने फोन कर खरौद बुलाया और फिर उन्हें अगवा कर लिया। आरोपियों ने उनसे 25 लाख रुपये की मांग की और मारपीट करते हुए उनका न्यूड वीडियो बनाया और धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए तो वीडियो वायरल कर देंगे। जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना शिवरीनारायण में आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल घटना स्थल पहुंचकर आस पास के लोगों से बारीकी से पूछताछ की गई। आरोपियों की की पतासाजी करने अलग अलग टीम रवाना हुई। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के के मार्गदर्शन में सभी आरोपियों से पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से वगिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में करन दिनकर पिता पुनीराम दिनकर उम्र 29 वर्ष निवासी खाल्हेपारा वार्ड नं.9 भवतरा थाना शिवरीनारायण, अरूण मनहर पिता कमलसाय मनहर उम्र 19 साल निवासी कुथुर थाना पामगढ़, श्यामजी सिन्हा पिता कोमल सिंन्हा उम्र 24 वर्ष नि. अंबेडकर चौक रहसबेड़ा वार्ड नं. 15 अकलतरा थाना अकलतरा एवं कार्तिकेश्वर रात्रे पिता गणेशराम रात्रे उम्र 35 वर्ष निवासी खैरा थाना कसडोल जिला बलौदाबाजार हाल मुकाम चेउडीह वृद्धविहार थाना पामगढ को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ धारा धारा 140 (2) 308 (2), 309 (6), 61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी शिवरीनारायण, निरीक्षक सागर पाठक, प्रधान आरक्षक विवेक सिंह साइबर सेल , सहायक उपनिरीक्षक रामप्रसाद बघेल एवं थाना स्टाफ का योगदान रहा।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

अपहरण व लूटपाट के मामले आ रहे सामने

जांजगीर चांपा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से अपहरण व लूटपाट के मामले सामने आ रहे है। हाल ही के कुछ दिनों पूर्व अकलतरा क्षेत्र में लूटपाट की कई घटनाएं सामने आ चुकी है। इसी प्रकार कुछ दिनों पूर्व ही सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के धनसीर क्षेत्र से एक बच्ची का अपहरण वाहन चालक द्वारा किया गया था। मामला संज्ञान में आने के बाद जिला पुलिस द्वारा इस पर कार्रवाई करते हुए बिर्रा प्रभारी को मामले के लिए निर्देशित किया। इसके बाद बिर्रा पुलिस द्वारा बच्ची के अपहरण मामले में आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार करते हुए भटगांव पुलिस को सौंपा।

नई दिल्ली में मई में लगेगा भव्य स्वदेशी मेला, वोकल फॉर लोकल थीम

रायपुर। भारत के घरेलू व्यापार, स्टार्टअप, इको सिस्टम और लघु उद्योगों सहित कारीगरों को एक साथ राष्ट्रीय मंच पर लाने मई माह में नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भव्य स्वदेशी मेला का आयोजन किया जाएगा। कैट ने स्वदेशी जागरण मंच तथा देश के प्रमुख संगठनों के साथ मिलकर वर्ष 2026 के मई माह में स्वदेशी मेला 2026 आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह मेला मई में नई दिल्ली के प्रगति मैदान पर ऐतिहासिक रूप से आयोजित होगा। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि भारत के घरेलू व्यापार, स्टार्ट-अप लघु उद्योगों, कारीगरों, एमएसएमई और मेड इन इंडिया उत्पादों को एक साथ राष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए कैट ने स्वदेशी जागरण मंच तथा देश के प्रमुख संगठनों के साथ मिलकर वर्ष मई माह में नई दिल्ली के प्रगति मैदान में सबसे भव्य स्वदेशी मेला-2026" आयोजित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। पदाधिकारियों ने बताया कि गत 25 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैट को स्वदेशी मेला लगाने का सुझाव दिया था। अमर पारवानी ने बताया कि यह मेला न केवल भारत के व्यापार, उद्योग और कारीगरी की शक्ति को प्रदर्शित करेगा, बल्कि मेड इन इंडिया उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने और भारतीय उद्यमशीलता को नए शिखर तक ले जाने का सबसे बड़ा मंच बनेगा। देशभर के उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, महिला उद्यमियों, कारीगरों व छोटे निर्माताओं के लिए यह एक स्वर्णिम अवसर है कि वे अपने उत्पादों और नवाचारों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजारों के सामने प्रस्तुत कर सकें।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, कुरूद धमतरी, छत्तीसगढ़
पता :-चरमुड़िया रोड़, रेल्वे स्टेशन, कुरूद, जिला-धमतरी 493663
ई-मेल:- itikurud@rediffmail.com

क्रमांक/औ.प्र.सं/कु./स्थाप./मे.प्र./2025/2071/कुरूद, दिनांक 02/12/2025

विज्ञप्ति

जिला धमतरी छत्तीसगढ़ के विभिन्न शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण सत्र 2025-26 के लिए व्यवसाय कोपा, ड्राफ्ट्समेन (सिविल), वर्कशॉप कैलकुलेशन एण्ड इंजीनियरिंग ड्राईंग, सोलर टेक्नीशियन, वेल्डर, सिविंग टेक्नोलॉजी एवं स्टेनो हिन्दी के प्रशिक्षण कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु स्वीकृत पद के रिक्त पदों के विरूद्ध मेहमान प्रवक्ता (गेस्ट लेक्चरर) के लिये आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में दिनांक 10.12.2025 को समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक आमंत्रित किया गया है। दिनांक 10.12. 2025 को जिला-धमतरी में स्थानीय अवकाश घोषित होने के कारण पूर्व में निर्धारित तिथि (दिनांक 10.12. 2025) को निरस्त करते हुए उक्त आवेदन पत्र दिनांक 15.12.2025 को समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक आमंत्रित किये जा रहे है इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कुरूद में निर्धारित समयावधि में स्वयं उपस्थित होकर जमा कर सकते है।
02/- विज्ञापन विवरण जिला धमतरी की वेबसाईट एवं संस्था के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

प्राचार्य/नोडल अधिकारी
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था,
कुरूद, जिला-धमतरी (छ.ग.)
जी. 252605205/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल प्रबंध संभाग क्र.-1, रायपुर, (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 08/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 29.09.2025 सिस्टम निविदा क्र. 176779 द्वारा "रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग के कोल्हान नाला में कोटनी स्टापडेम से ठेला जलाशय तक पाईप लाईन का कार्य, इंटेकवेल एवं पंप हाऊस का कार्य" (द्वितीय आमंत्रण) राशि रू. 207.01 लाख एवं निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 07/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 29.09.2025 सिस्टम निविदा क्र. 176778 द्वारा "रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग के कोल्हान नाला से बौली तालाब तक पाईप लाईन के माध्यम से जल भराव का कार्य"(द्वितीय आमंत्रण) राशि रू. 143.03 लाख की निविदा आमंत्रित की गयी थी, संबंधित निविदा क्र 176779 में एकल निविदाकार एवं निविदा क्र. 176778 में निरंक होने के कारण निविदा निरस्त किया जाता हैं।

अतः आमंत्रित निविदा सिस्टम क्रमांक 176779 निविदा सूचना क्रमांक 08/ व.ले.लि./2025-26 दिनांक 29.09.2025 एवं निविदा सिस्टम क्रमांक 176778 निविदा सूचना क्रमांक 07/व.ले.लि./ 2025-26 दिनांक 29.09.2025 (G-No 252603893 Dated 03.10.2025 S.No.1 and 2) को एतद् द्वारा निरस्त की जाती हैं।

सहपत्र :- शून्य।
जी. 252605212/5

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग क्र.-1,
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय अधिष्ठाता, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जिला-महासमुन्द (छ.ग.) 493445
Email-gmcmahasamund@gmail.com
Phone No.07723-299171

क्रमांक/शा.चि.म./स्था./2025/4029 महासमुन्द, दिनांक 28/11/2025

शुद्धि पत्र

कार्यालय अधिष्ठाता, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.) के विज्ञापन क्रमांक/शाचिम/स्था./2025/3855 महासमुन्द दिनांक 14/11/2025 के द्वारा विभिन्न विभागों में सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेसीडेंट एवं कैजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर के वर्तमान में रिक्त पदों के साथ समय-समय पर रिक्त होने वाले पदों पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 में उल्लेखित शर्तों के अधीन संविदा आधार पर भर्ती किये जाने हेतु प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 11:00 बजे से 04:00 बजे तक 'वॉक-इन-इन्टरव्यू' आयोजित किये जाने हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया है।

उक्त विज्ञापन में ई.एन.टी. विभाग में सहायक प्राध्यापक का 01 पद विज्ञापित किया गया है जिसे संशोधित करते हुए पद की संख्या निरंक पढ़ा जावे।

अधिष्ठाता,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
महासमुन्द (छ.ग.)
जी. 252605187/2

Governor's Secretariat, Raj Bhavan, Raipur (Chhattisgarh)

Notice Inviting applications for appointment of Vice-Chancellor (Kulapati) for Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

Advt. No. F 1-6/2025/RS/U-3 Raipur, Date 02/12/2025

Applications are invited for the appointment on the post of Vice-Chancellor (Kulapati), Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) under the Chhattisgarh Vishwavidyalaya Adhiniyam, 1973 and Amendment Act, 2010.

Applications are invited from person satisfying requirements as laid down in para 7.3 of the University Grants Commission Regulations, 2018 dated 18 July, 2018. The Vice-Chancellor (Kulapati), being the academic as well as administrative head, is expected to be:-

* A visionary with proven leadership qualities, administrative capabilities as well as teaching and research credentials.
* He/She should be a distinguished academician, with a minimum of ten years of experience as Professor in a University or ten years of experience in a reputed research and /or academic administrative organization with proof of having demonstrated academic leadership as per ₹UGC Regulations on Minimum Qualifications for Appointment of Teachers and other Academic Staff in Universities and Colleges and Measures for the Maintenance of Standards in Higher Education 2018₹ and subsequent modifications.
* The maximum tenure for the post of Vice-Chancellor (Kulapati) is 5 (Five) years, or up to the age of 70 (Seventy) years, whichever is earlier and shall not be eligible for appointment for more than two terms.

Aspirants for the post of Vice-Chancellor (Kulapati) may send their applications along with their documents in three sets :-

1. Application in the prescribed format, with recent passport size colour photograph.
2. All pages of the filled applications must be signed.
3. Attach self attested copies of certificates/relevant documents in support of experience as per eligibility criteria and educational qualifications.

Aspirants for the post of Vice-Chancellor (Kulapati) may send their applications to the "Secretary to Governor, Raj Bhavan, Raipur (C.G.)-492001", so as to be received on or before 29th December, 2025 by the Registered Post/Speed Post only. The envelope should be superscribed by ₹APPLICATION FOR THE POST OF VICE-CHANCELLOR (KULAPATI), ATAL BIHARI VAJPAYEE VISHWAVIDYALAYA, BILASPUR (C.G.)

Applications received after the prescribed date either by postal delay or any other reasons, will not be considered at this Secretariat. It is must necessary to apply in the prescribed format.

Note: The Applicant has to compulsorily submit a Notarised affidavit thereby certifying all the statements and particulars furnished in the application. Applications without a notarised affidavit shall be rejected. The affidavit must include the following declarations:-

(1) I, hereby, declare that all the statements / particulars made / furnished in this application are true, complete and correct to the best of my knowledge and belief.
(2) I also declare and fully understand that in the event of any information furnished being found false or incorrect at any stage, my application / candidature is liable to be summarily rejected.
(3) If I am already appointed, my services are liable to be terminated without any notice from the post of Vice-Chancellor as per the Act / Statute etc. and other applicable rules / laws.

The prescribed format of application is available at the following websites:-
1. https://rajbhavancg.gov.in
2. http://highereducation.cg.gov.in
3. http://cgstate.gov.in
4. https://jansampark.cg.gov.in/
5. https://www.bilaspuruniversity.ac.in/index.php

G-252605195/2

Secretary to Governor
Raj Bhavan, Raipur (Chhattisgarh)

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बढ़ाकर 'ग्रुप-बी' कर दिया

भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था की रैंकिंग बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

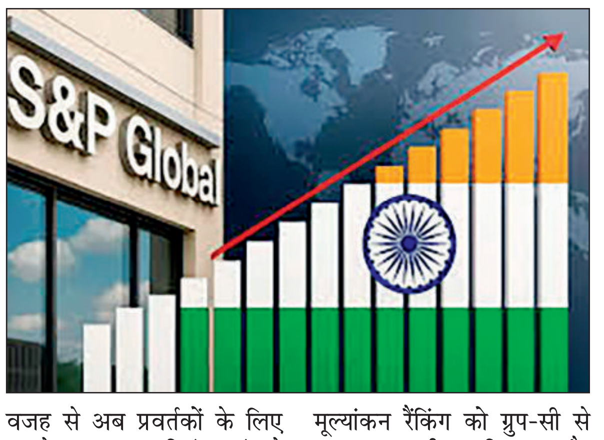

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बुधवार को भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था के लिए अपनी रैंकिंग को बढ़ाकर 'ग्रुप-बी' कर दिया। यह संशोधन ऋणदाताओं के अनुकूल माने जा रहे दिवाला समाधान ढांचे और आईबीसी कानून के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक बयान में कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से ऋण अनुशासन मजबूत हुआ है और समाधान प्रक्रिया का संतुलन स्पष्ट रूप से ऋणदाताओं के पक्ष में है। इस वजह से अब प्रवर्तकों के लिए अपने व्यवसाय पर नियंत्रण गंवाने का जोखिम बढ़ गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बदले हुए हालात में दिवाला समाधान की मूल्यांकन रैंकिंग को ग्रुप-सी से बढ़ाकर ग्रुप-बी कर दिया गया है। एसएंडपी ने कहा, ''यह संशोधन इसलिए किया गया है क्योंकि हमने भारत के दिवाला समाधान ढांचे का आकलन बदला है। हमें लगता है कि यह ढांचा ऋणदाताओं के लिए पहले की तुलना में अधिक अनुकूल होकर 'कमजोर' से 'मध्यम' हो गया है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आईबीसी के तहत जारी सफल कर्ज समाधान, बेहतर समयसीमा और वसूली दर इसकी प्रमुख वजहें हैं। एसएंडपी ने कहा कि दिवाला समाधान के दौरान बकाया कर्ज का औसत वसूली मूल्य 15–20 प्रतिशत से बढ़कर अब 30 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसके अलावा फंसे कर्जों के समाधान में लगने वाला औसत समय भी छह-आठ साल से घटकर लगभग दो साल रह गया है।

भारत अभी भी ग्रुप-बी के कुछ देशों से पीछे

हालांकि, एजेंसी ने कहा कि भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था अब भी ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के कुछ देशों से पीछे है। लगभग 30 प्रतिशत बकाया वसूली दर को दूसरे उन्नत देशों में कम माना जाता है।

प्रक्रिया में अनिश्चितता बनी हुई

एसएंडपी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया में लगभग दो साल का समय लगने के बावजूद अब भी दिवाला प्रक्रिया में अनिश्चितता बनी रहती है।

सोने में 670 रुपए की तेजी और चांदी टूटी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुझानों और रुपये में भारी गिरावट के कारण सुरक्षित निवेश मांग के लिए समर्थन मिलने से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 670 रुपये चढ़कर 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,31,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आने से सर्राफा कीमतों में तेजी आई है। हालांकि, सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी ने छह दिन की बढ़त का सिलसिला तोड़ दिया और इसकी कीमत 460 रुपये की गिरावट के साथ 1,80,900 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मजबूत वैश्विक रुख और भारतीय मुद्रा में कमजोरी के कारण घरेलू बाजारों में सोने में मामूली बढ़त दर्ज की गई।'' बुधवार को, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच, रुपया पहली बार 90-डॉलर के स्तर को पार कर 90.21 (अस्थायी) के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 25 पैसे की गिरावट है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,207.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी की कीमत बढ़कर 58.47 डॉलर प्रति औंस हो गई। सत्र के दौरान चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 58.94 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

सराफा को समर्थन जारी : गांधी ने कहा कि फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की नरम टिप्पणियों ने अगले हफ्ते की एफओएमसी बैठक में ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत अंक की कटौती की उम्मीदों को मजबूत किया है।

पान मसाला पैक पर अब खुदरा मूल्य छापना होगा अनिवार्य, फरवरी से लागू

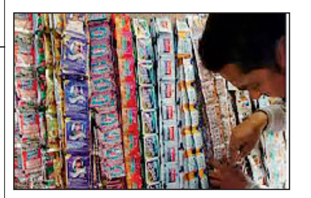

नई दिल्ली। अगर आप पान मसाला खाते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। सरकार ने पान मसाला के पैकेटों पर बड़ा फैसला लिया है। अब से चाहे पान मसाला का पैकेट कितना भी छोटा या बड़ा हो, उस पर एमआरपी यानी खुदरा बिक्री मूल्य और लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 के तहत जरूरी सभी जानकारियां छापनी होंगी।

यह नियम 1 फरवरी 2026 से लागू हो जाएगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी सेकंड (अमेंडमेंट) रूल्स, 2025 को अधिसूचित किया है। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि ये बदले हुए नियम 1 फरवरी 2026 से लागू होंगे। तब से सभी पान मसाला बनाने वालों, पैक करने वालों और आयात करने वालों को इन नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा। पहले छोटे पैकेट, जैसे 10 ग्राम या उससे कम के पैकेट, पर एमआरपी छापना जरूरी नहीं था। लेकिन अब इन छोटे पैकेटों पर भी एमआरपी छापना अनिवार्य कर दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

टीम इंडिया ने...

स्टेडियम के बाहर बिक रहे थे टिकट-भारत-साउथ अफ्रीका मैच के दिन स्टेडियम के बाहर देर शाम तक टिकटों की ब्लैक में बिक्री जारी रही। दोपहर तक जो टिकट 1500 रुपए में बिक रहा था, वो शाम होते-होते 2000 से लेकर 5000 रुपए तक पहुंच गया। जिन दर्शकों के पास पहले से टिकट नहीं था, उन्होंने मजबूरी में महंगे दामों पर टिकट खरीदा। स्टेडियम के गेट के पास खुलेआम टिकट बेचे जाते दिखे, जिनमें कई युवक दलालों के संपर्क में आकर टिकट ले रहे थे। **स्टेडियम में गूंजती रही आवाज-** स्टेडियम दर्शकों के उत्साह और जुनून से गूंज उठा। खास बात यह रही कि मैच के दौरान स्टेडियम की आवाज़ 120 डेसीबल से नीचे गई ही नहीं। चौके और छक्के में यह 130 तक पहुँच गया। विराट कोहली और रोहित शर्मा* के टेस्ट और टी20 से संन्यास के बाद रायपुर में उनका देखने के लिए फैन्स की संख्या में जबरदस्त इज़ाफा हुआ है। कई दर्शक खुद को विराट और रोहित की तरह सजाकर पहुंचे थे।हर चौके-छक्के पर दर्शकों ने तिरंगा लहराकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मैदान की हर गूंज में फैन्स की चीख-पुकार, तालियां और "कोहली-कोहली", "रोहित-रोहित" के नारों ने माहौल को बढ़ा दिया। **चला कोहली का जादू-** मैच में कोहली का जादू चला अपना 53वां शतक रायपुर के नाम किया। क्रिकेट प्रेमियों के लिए मैच त्योहार की तरह रहा। दोपहर से ही स्टेडियम की ओर जाने वाले रास्तों पर हलचल तेज़ हो गई थी। तिरंगे में लिपटे बच्चे, कॉलेज के युवा और पूरा परिवार सिर्फ दो नामों की चर्चा करते नज़र आए विराट कोहली और रोहित शर्मा। हर दूसरी जर्सी पर नंबर 18 या 45 लिखा था। छोटे-छोटे बच्चे अपने चेहरे पर विराट और रोहित पेंट करवा रहे थे,जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, स्टेडियम का माहौल और भी जोशीला होता गया।

अब 400 यूनिट...

संशोधन से क्रय प्रक्रिया का सरलीकरण होगा, पारदर्शिता में वृद्धि होगी, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा तथा समय और संसाधनों की बचत होगी।

पीएम सूर्य घर...

क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। यह व्यवस्था राज्य में सौर ऊर्जा अपनाने को प्रोत्साहित करेगी और आने वाले समय में उपभोक्ताओं को हाफ बिजली से फ्री बिजली की ओर ले जाएगी।

देशभर के पांच...

को बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ने दुनियाभर में बड़ी सर्विस आउटेज की रिपोर्ट दी है। वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों को नोटिस जारी कर बताया गया कि माइक्रोसाफ्ट विंडोज की ग्लोबल आउटेज के चलते एयरपोर्ट के आईटी और चेक-इन सिस्टम प्रभावित हुए हैं। नोटिस में यह भी बताया गया कि वाराणसी में इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस की सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट और एयरलाइंस की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। कई जगह एयरलाइंस को मैनुअल चेक-इन और बोर्डिंग पर निर्भर होना पड़ा।

नक्सलियों के पूर्ण...

गई है। मैं उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हमारे जवानों का यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हमारे जांबाजों की यह बहादुरी और सफल कार्रवाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लाल आतंक का अंत अब बहुत निकट है। हमारी सरकार और हमारे सुरक्षाबल "माओवाद के पूर्ण खात्मे" के संकल्प पर दृढ़ता से अडिग हैं। जब तक बस्तर के अंतिम गाँव तक शांति, सुरक्षा और विकास का प्रकाश नहीं पहुंच जाता, तब तक हमारा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। जय हिंद।

पूज्य पिताजी पंडित...

देकर आशीर्वाद दिया। इस मौके पर रावतपुरा सरकार ने स्वर्गीय कीर्ति नारायण द्विवेदी के रावतपुरा सरकार आश्रम आने और उससे जुड़े हुए संस्मरणों को भी साझा किया। इस अवसर पर ग्वालियर भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया सहित अन्य भाजपा के कार्यकर्ता और भक्तगण भी मौजूद थे। गौरतलब है कि डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी स्वर्गीय कीर्ति नारायण द्विवेदी का गत 25 नवंबर को निधन हो गया था। उसके बाद से हर रोज ग्वालियर स्थित निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने आने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है।

हर दवा दुकान...

को 'पीवीपीआई एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सिस्टम' में सरलता से दर्ज कराने में मदद मिलेगी। यह फैसला 18 जून को हुई 'फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया' की 16वीं बैठक में लिया गया था।

जीआरपी थाने में...

के पद पर कार्यरत केएस लदेर निवासी जांजगीर, चांपा ने मामूली कहासुनी से उपजे विवाद पर अपने सहकर्मी पर सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पीके मिश्रा मूलतः मध्यप्रदेश के रीवा जिला के रहने वाले थे, और यहां रेलवे थाने में हेड कांस्टेबल के पद पर पदस्थ थे। थाने के अन्य कर्मचारियों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात पीके मिश्रा की रायगढ़ से किरोड़ीमल रेलवे स्टेशन के बीच लाइन ड्यूटी थी। आम दिनों की तरह वो ड्यूटी कर सुबह साढ़े 3 बजे के आसपास रायगढ़ रेलवे स्टेशन के आरपीएफ थाने में पहुंचे थे। जहां पर किसी बात को लेकर केएस लदेर से उनकी बहस हो गई। पीके मिश्रा के कोई बात श्री लदेर को इतनी नागवार गुजरी की तैश में आकर अपनी ही सर्विस रिवाल्वर से चार राउंड फायर कर श्री मिश्रा की हत्या कर दी। सूचना मिलते ही एसईसीआर बिलासपुर आईजी के साथ एसपी और अन्य टीम पहुंची थी। पूरे मामले की जांच करने के बाद ही किस तरह का विवाद या बात हुई इसका खुलासा होने की बात अधिकारियों द्वारा कही जा रही है।

गोली की आवाज...

चलने की आवाज आई, शुरू में उन्होंने उसे पटाखे की आवाज सुनकर नजरअंदाज कर दिया था, लेकिन तभी थाने की तरफ भागते हुए एक कर्मचारी नें सूचना दी की अंदर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है। इस खबर को सुनने के बाद स्टेशन परिसर में अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया। अन्य जवानों ने जब अंदर जाकर देखा तो, पीके मिश्रा खून से लथपथ कुर्सी पर गिरे हुए थे। घटना के बाद भी आरोपी केएस लादेर थाने में ही मौजूद था, जिसके बाद तुरंत उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

दर-दाँत (गम पेंट)®
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है,
यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- रोड कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु सिविल इंजीनियर एवं रोड सुपरवाईजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार स्थान बिलासपुर सम्पर्क करें- 9243530500 (39310)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में बिलिंग एवं एकाउंटिंग, माल पैकिंग करने, ट्रांसपोर्ट लेजाने, आर्डर एवं वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (पढ़ाई बाध्य नहीं है) सम्पर्क करें- 9111000629 (39307)

आवश्यकता है- FMCG वेलनेस एजेन्सी में बिलिंग एवं प्रोडक्ट देने हेतु एक व्यक्ति चाहिए योग्यता ग्रेजुएट, कम्प्यूटर जानकार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक 98930 81826, 7067124226 (39309)

आवश्यकता है- नर्सरी में काम करने हेतु मेहनती युवक युवती की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 8269771107 (39303)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (39308)

आवश्यकता है- (1) सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (39304)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य कम्प्यूटर के लिए (महिला/ युवती) आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 12000 से 15000 तक सम्पर्क करें- 7587258374 (39312)

आवश्यकता है- दो पहिया वाहन मैकेनिक की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- शुभम ऑटोमोबाइल्स राजकिशोर नगर बिलासपुर 99814 79125, 07752406052 (39301)

आवश्यकता है- कार वाश करने हेतु अनुभवी लड़का चाहिए जो डेली घर आके कार वाश करे जिसे कार वाश का अनुभव हो संपर्क करे रिंग रोड-2 शांती नगर मंगला 97533 30000 (39305)

आवश्यकता है- शॉप में कार्य हेतु मेहनती लड़का चाहिए योग्यता 10वीं समय सुबह 10 से रात 8.30 तक सम्पर्क करें- मोटवानी होटल एण्ड किचन वेयर्स नियर दीनदयाल गार्डन व्यापार विहार बिलासपुर 9329477657 (39302)

आवश्यकता है- बिलासपुर 36 मॉल एवं PVR मैग्नेटो मॉल, में सिनेमा फूड काउंटर में काम करने के लिए 4(चार) लडको/ लडकियों की आवश्यकता है. सैलरी - 8000 + रहना + खाना संपर्क करें 9243958051, 81094 00008 (39311)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 (39295)

आवश्यकता है- दोसा इडली छोले भटूरे पराठा चाट गुपचुप भेल मंचुरियन वड़ा पाव डाब जूस सेन्टर में कार्य हेतु अनुभवी मिस्त्री, हेल्पर चाहिए (सुबह 6बजे से शाम 4बजे एवं दोपहर 2बजे से रात 11बजे तक) सम्पर्क- 9098859081 (39296)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000 फील्ड ऑफिसर 15000 कम्प्यूटर ऑपरेटर 3, सुरक्षा गार्ड 56, वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, FF-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 7747000019, 77470 00016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है- तखतपुर स्थित राइस मिल में कार्य हेतु न्यूनतम 10वर्ष अनुभवी मशीन ऑपरेटर (मिस्त्री) की आवश्यकता है जिसे अच्छा वेतन एवं रहने की सुविधा प्रदान की जाएगी सम्पर्क करें- 8754507712, 78699 55482 (39287)

आवश्यकता है- लिंक रोड एवं सिरगिट्टी में दुकान में कार्य करने हेतु लड़के चाहिए। वेतन- 8000 से 12000 सम्पर्क करें- टायर सेन्टर विनायक नेत्रालय के बाजू में लिंक रोड, अग्रसेन चौक, बिलासपुर (39299)

आवश्यकता है-पेन, पेन्सिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9631470837 (757)

आवश्यकता है- प्लांट में निर्माण कार्य हेतु दैनिक वेतन पर मिस्त्री 100 पद, कुली 200 पद बढ़ई 200 पद, लोहार 200 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000087500, 86020 02511, 8234976143 (39274)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 वर्ष तक सैलरी 5000 +कमीशन +बोनस संपर्क करें नेहरू नगर नियर श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पास बिलासपुर छ.ग. संपर्कः- 8085240520 (407)

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेप्शनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर फील्ड वर्क अनुभवी) अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु) चाहिए सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 (39300)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 वर्ष तक सैलरी 5000 +कमीशन +बोनस संपर्क करें- शारदा नगर मैग्नेटो मॉल साईं मंदिर के पास बिलासपुर छ.ग. संपर्कः- 7471103268 (408)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें- 78701 92397, 779688012 (385)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5-G कंपनी में पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए घर बैठे (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9798544556, 9296821428 (1243)

आवश्यकता है-फोर व्हीलर वर्कशॉप में लड़के/ लड़कियों, सुपर डिजायनर, कम्प्यूटर ऑपरेटर सेल्समैन प्यून चाहिए वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- बालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज मगरपारा रोड बिलासपुर (39197)

बेचना है

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है-नर्मदा नगर मेन रोड पर स्थित 3800 वर्गफुट पर निर्मित सर्व सुविधा युक्त नया तीन मंजिला मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 9977833810 (39271)

बेचना है- बिलासपुर मसानगंज में स्थित 6BHK का नवनिर्मित मकान, गीतांजलि सिटी फेस-2 के बगल में नया 2BHK मकान, कोटा मेन रोड में 2 एकड़ कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 78988 55268 (39297)

बेचना है- आजाद चौक मंगला मेन रोड पर डबल स्टोरी शॉप बेचना है रेड्डी टू ओपन वॉश रूम अटेच है। सम्पर्क करें- 9691955501 (39298)

बेचना है-परसदा (सकरी) कोटा मोड़ दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से लगे सर्व सुविधा युक्त 2BHK मकान 26लाख एवं 3BHK मकान 27लाख में उपलब्ध हैं। बुकिंग कराने हेतु सम्पर्क करें- 98842 61185, 9827404638 (39217)

बेचना है- भाटिया रेजिडेंसी मंगला चौक के पास दूसरी मंजिल मे तीन बैडरूम हाल किचन दो लेटबाथ तीन बॉलकनी सहित सर्व सुविधा युक्त फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8839484617, 98279 32070 (39273)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
मो.- 94255-55659
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

विदेशी सरजमीं पर लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की बड़ी जीत, सीरीज की 1-1 से बराबर

कोहली-ऋतुराज की शतकीय पारी बेकार साउथ अफ्रीका ने चेज किए 359 रन

एजेंसी ▶▶| रायपुर

दूसरे वनडे में टीम इंडिया 359 रन का विशाल लक्ष्य भी बचाने में नाकाम रही। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और तीन मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर ला दी। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनने वाली साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने मजबूत स्कोर खड़ा किया। विराट कोहली ने शानदार शतक जड़ा, जबकि ऋतुराज गायकवाड ने भी सेंचुरी लगाई। कप्तान केएल राहुल ने फिफ्टी बनाकर टीम को 358 के बड़े स्कोर तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीका की ओर से मार्को यानसन ने 2 विकेट लिए। बड़े रन चेज में अफ्रीका ने पांचवें ओवर में ही पहला विकेट गंवा दिया, लेकिन कप्तान टेम्बा बावुमा (44) और एडेन मार्करम ने शतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। मार्करम ने शानदार शतक जड़कर चेज की नींव मजबूत की।

इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस (54) और मैथ्यू ब्रीट्जकी (68) ने तेज तर्रार फिफ्टी लगाई और टीम को लक्ष्य के करीब ले आए। 322 रन तक पहुंचने के बाद अफ्रीका ने लगातार विकेट गंवाए, लेकिन आखिरी में कॉर्बिन बॉश ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए 37 रन बनाए और टीम को जीत दिलाई।

भारत की ओर से अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट हासिल किए। कुलदीप यादव और हर्षित राणा को 1-1 सफलता मिली।

सीरीज का निर्णायक तीसरा वनडे 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

रोहित ने 14 रन में ही रच दिया इतिहास

दरअसल, रोहित शर्मा को पहले 4 ओवर में सिर्फ 3 गेंद खेलने का मौका मिला और 2 रन बनाए। हालांकि, अगले ही ओवर में रोहित ने चौकों की हैट्रिक जड़ते हुए कमाल कर दिया। रोहित ने इन चौकों की मदद से घर पर इंटरनेशनल क्रिकेट में 9 हजार रन पूरे कर लिए। इस मैच से पहले रोहित को 9 हजार रन के आंकड़े को छूने के लिए सिर्फ 9 रनों की दरकार थी। अब रोहित घर में 9 हजार रन बनाने वाले महज चौथे भारतीय बन गए हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने यह उपलब्धि अपने नाम की थी। 5वें ओवर में नंद्रे बर्गर को लगातार तीसरा चौका जड़ते ही रोहित ने भारतीय सरजमीं पर सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने के मामलें में राहुल द्रविड़ को भी पछाड़ दिया। अब रोहित घर पर इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

ऋतुराज ने जड़ा वनडे का पहला शतक

ऋतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में 77 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। वह भारत की तरफ से साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज युसूफ पठान हैं। युसूफ ने साल 2011 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 68 गेंदों में शतक लगाया था। उनका ये रिकॉर्ड अभी तक कोई नहीं तोड़ पाया है। ऋतुराज के लिए यह उनके वनडे करियर का पहला शतक है। उन्होंने अपने 8वें वनडे मैच में पहला शतक गायकवाड़ 52 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद वह तेज गति से रन बनाए। उन्होंने इसके बाद मैदान के चारों तरफ शॉट्स लगाए और 77 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने 12 चौके और दो छक्के लगाए।

कोहली का शानदार रिकार्ड

विराट कोहली का साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभी तक तीनों ही फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड देखने को मिला है, जिसमें ये उनका इंटरनेशनल क्रिकेट में अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट को मिलाकर अब तक का 10वां शतक है।

स्कोर बोर्ड

भारत स्कोर	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का बॉश बो यानसेन	22	38	2	1
रोहित का डिकॉक बो बर्गर	14	8	3	0
कोहली का मारक्रम बो एनगिडी	102	93	7	2
गायकवाड का डिजॉर्जी बो यानसेन	105	83	12	2
लोकेश राहुल नाबाद	66	43	6	2
सुंदर रन आउट	01	8	0	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	24	27	2	0

अतिरिक्त: 24

कुल: 50 ओवर में पांच विकेट पर: 358 रन

गेंदबाजी: बर्गर 6.1-0-43-1, एनगिडी 10-1-51-1, यानसन 10-0-63-2, महाराज 10-0-70-0, बॉश 8-0-79-0, मारक्रम 5.5-0-48-0

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का गायकवाड बो हर्षित	110	98	10	4
डिकॉक का वाशिंगटन बो अर्शदीप	08	11	2	0
बावुमा का हर्षित बो प्रसिद्ध	46	48	3	1
ब्रीट्जके पगबाधा बो कृष्णा	68	64	5	0
ब्रेविस का जायसवाल बो कुलदीप	54	34	1	5
टॉनी डिजॉर्जी रिटायर्ड हर्ट	17	11	0	1
यानसेन का गायकवाड को अर्शदीप	02	2	0	0
कोर्बिन बॉश नाबाद	29	15	4	0
केशव महाराज नाबाद	10	14	0	0

अतिरिक्त: 18

कुल:49.2 ओवर में छह विकेट पर: 362 रन

गेंदबाजी: अर्शदीप 10-0-54-2, हर्षित 10-0-70-1, प्रसिद्ध 8.2-0-85-2, वाशिंगटन 4-0-28-0, जडेजा 7-0-41-0, कुलदीप 10-0-78-1

'किंग कोहली' ने सिक्स लगाकर खोला खाता

रांची के बाद रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में विराट कोहली का शानदार फॉर्म जारी रहा। बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रायपुर वनडे में किंग कोहली ने अपनी बल्लेबाजी की शुरुआत बेहद शानदार और तूफानी तरीके से की। दरअसल, किंग कोहली ने रायपुर वनडे में छक्के के साथ खाता खोला। उन्होंने लुंगी एनगिडी की गेंद पर फाइन लेग के ऊपर से गेंद को छह रन के लिए भेजा। कोहली के वनडे करियर में यह दूसरी बार ही ऐसा है, जब उन्होंने छक्के के साथ खाता खोला है। इससे पहले आखिरी बार ऐसा उन्होंने साल 2013 में वेस्ट इंडीज के सामने किया था। तब उन्होंने टिनो बेस्ट की बॉल को 6 रन के लिए भेजा था। रायपुर वन में कोहली ने 93 गेंदों पर 102 रनों की बेजोड़ पारी खेली।

घर पर कोहली का 40वां शतक

विराट कोहली ने इसी के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट में घर पर 40 शतक पूरे कर लिए हैं। वो अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। 37 साल का खिलाड़ी अगर 2027 तक वनडे क्रिकेट खेलता है तो उनके पास सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का शानदार मौका होगा। सचिन तेंदुलकर के घर पर कुल 42 शतक और विराट कोहली उनकी बराबरी करने से अब सिर्फ 2 शतक और उन्हें पीछा छोड़ने से सिर्फ 3 शतक दूर हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेंगे गिल, उपकप्तानी भी मिली

■ 5 मैच की टी20 श्रृंखला 9 दिसंबर से कटक में होगी शुरू

रायपुर। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट से उबर गए हैं और उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए उप कप्तान के रूप में टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने यह जानकारी दी। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। इस कारण वह गुवाहाटी में खेले गए, दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए। बीसीसीआई सूत्र ने कहा, 'गिल पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया है। वह उप कप्तान के रूप में वापसी करेंगे।' भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैच की टी20 श्रृंखला 9 दिसंबर से कटक में शुरू होगी। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिट होकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों 1की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया खेलेंगी सीरीज

इसके लिए टीम का चयन करने के लिए बुधवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई। सूर्यकुमार यादव भारत के नियमित टी20 कप्तान हैं। सूत्र ने उन रिपोर्टों का भी खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि बोर्ड के अधिकारी सीनियर खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच बढ़ते तनाव पर चर्चा करने के लिए बैठक करने की योजना बना रहे हैं। रोहित 38 वर्ष और कोहली 37 वर्ष के हैं और अब वे राष्ट्रीय टीम के लिए केवल एकदिवसीय प्रारुप में खेलते हैं। इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या वे 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेल पाएंगे। गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस संभावना पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है। उन्होंने कहा, 'श्रृंखला के बीच में कोई बैठक नहीं होगी।

विराट ने लगाई छलांग, पहुंचे चौथे स्थान पर, गिल को नुकसान

एजेंसी ▶▶| दुबई

विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में मैच विजयी शतकीय पारी की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 120 गेंद में 135 रन की पारी खेली, जो 50 ओवर के प्रारुप में उनका 52वां शतक था। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की। सैंतीस साल के कोहली के अब 751 रैंकिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर बरकरार पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (783), न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (766) और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764) से पीछे हैं।

कोहली ने गिल को पीछे छोड़ा

कोहली ने भारत के एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ा जो गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की मौजूदा श्रृंखला से बाहर होने के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गए। भारत के सीमित ओवरों के मुकाबलों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी चोट से उबर रहे श्रेयस अय्यर नौवें स्थान पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में चार विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में एक स्थान के फायदे से छठे पायदान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि गिल एक स्थान के नुकसान से 12वें पायदान पर हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी 12वें से 14वें स्थान पर खिसक गए हैं।

ब्रूइस के खिलाफ आक्रामक बर्ताव पर आईसीसी ने राणा को लगाई फटकार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को फटकार लगाई और रांची में पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद उनके आक्रामक बर्ताव के लिए एक डिमेरिट अंक उनके खाते में जोड़ दिया। आईसीसी ने कहा, 'राणा को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन का दोषी पाया गया।' यह घटना रविवार को दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हुई जब भारत के तेज गेंदबाज ने ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ इशारा किया, जिससे बल्लेबाज आक्रामक प्रतिक्रिया दे सकता था।

न्यायालय जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर, छ.ग.

विविध प्रकरण क्रमांक- 75 / ब-121 / 2024-25
202508072100017
आगामी पेशी तारीख -08.12.2025

ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इन्फास्ट्रक्चर लिमिटेड,
शाखा कार्यालय सी, 246 / 6, दूसरी मंजिल,
संत ज्ञानेश्वर स्कूल के पास, वल्लभ नगर कॉलोनी
रायपुर, 492001 (छ0ग0) ... आवेदक

विरूद्ध

1. श्री एजाज एहमद बक्श पिता श्री मंसूर अहमद बक्श
2. श्रीमती रेहाना बेगम बक्श पति मंसूर अहमद बक्श
3. मंसूर अहमद बक्श (मृत)

दोनों निवासी – 319 / 21, जुनी लाईन, सदर बाजार,
आभा ज्वेलर्स, बिलासपुर, (छ0ग0) ... अनावेदकगण

--00-

अनावेदकगण के विरूद्ध इस न्यायालय में आवेदक ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, शाखा कार्यालय सी, 246 / 6, दूसरी मंजिल, संत ज्ञानेश्वर स्कूल के पास, वल्लभ नगर कॉलोनी रायपुर, 492001 (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र वास्ते धारा-14 वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 प्रस्तुत कर, मौजा- जूनी लाईन / खपरगंज / मसानगंज (नजूल शीट), नजूल शीट नं. 27, प्लॉट नं. 157/6, रकबा 580.50 वर्गफीट, प्रतिभूति आस्ति का आधिपत्य दिलाये जाने का निवेदन किया गया है। उपरोक्त प्रकरण सुनवाई हेतु 08 दिसम्बर 2025 के लिये नियत है। दिनांक 08 दिसम्बर 2025 को दिन के 3.30 बजे उक्त प्रकरण पर आपको उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिरी होने के लिये नोटिस प्रकाशन किया जाता है।

आप इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और इस दावा से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें, तथा उन सभी दस्तावेज को पेश करने के लिये तैयार रहें, जिस पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त तिथि को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होगें तो आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए लंबित प्रकरण का निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यदि किसी कारणवश पेशी तिथि 08 दिसम्बर 2025 को अवकाश घोषित हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस को की जावेगी।

जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर के आदेशानुसार आज दिनॉक – 10.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आदेशित)
दिनॉक : 10.11.2025

मुहर

हस्ता/-
कार्यपालिका दण्डाधिकारी,
हेतु जिला दण्डाधिकारी,
बिलासपुर (छ.ग.)

राशिफल

मेष – कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष – कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन – अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह – पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या – नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला – आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक – वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु – रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन – रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

गाबा में अपना विजय अभियान जारी रखने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ▶▶| ब्रिस्बेन

पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद उत्साह से भरी ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

इंग्लैंड ने 1986 के बाद से गाबा में कोई एशेज टेस्ट नहीं जीता है। वह 2010-11 श्रृंखला के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपनी पहली जीत हासिल करने की तलाश में भी है। ऑस्ट्रेलिया के लिए दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड

अच्छा है लेकिन वह इस बात को भूल नहीं सकता कि वह पिछले साल जनवरी में गाबा में वेस्टइंडीज से आठ रन से हार गया था।

आंखों के नीचे काली पट्टी बांधकर खेलेंगे स्टीव स्मिथ

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की टीम की कमान संभालने वाले स्टीव स्मिथ इस मैच में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं और इसलिए उन्होंने अपनी आंखों के नीचे काली पट्टी बांधने का फैसला किया है ताकि वह दूधिया रोशनी में अच्छी तरह से बल्लेबाजी कर सकें। उन्होंने इसके लिए बाकायदा वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपाल से सलाह भी ली है। चंद्रपाल अक्सर आंखों के नीचे काली पट्टी लगाकर खेला करते थे। आमतौर पर दूधिया रोशनी में खेलने वाले फुटबॉलरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली काली पट्टियां स्मिथ की इस कोशिश का हिस्सा हैं कि वे बदलती रोशनी में इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण का गुलाबी गेंद से अच्छी तरह से सामना कर सकें।

शब्द पहेली - 6067

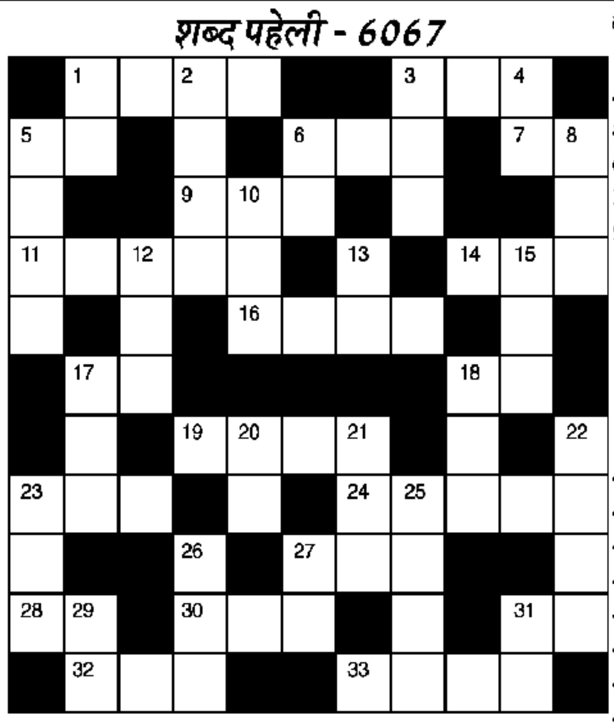

बाएँ से दाए

1. मूर्ख, बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश, खानदान-2
6. आह, पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी, इच्छा, चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास, नौकर, सेवक-5
14. अग्नि, आग-3
16. चयनित, स्वीकृत-4
17. जाति, संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत, व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश, अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान, माइन-2
32. आश्रय, पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में, अधर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति, प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम, आसक्ति-3
13. नीर, जल-2
15. भाग्य, तकदीर-3
17. जंबुल, जांब-3
18. टेंशन, परेशानी-3
20. काया, बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी, रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा, चोंचला-3
27. पूड़ी, गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक, गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली- 6066 का हल

सूडोकु नवताल- 6077

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6076 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

सूर्य की रोशनी कम होने से धरती पर आएगी तबाही, जीवन हो जाएगा नष्ट!

वॉशिंगटन। अगर सूर्य धीरे-धीरे मंद पड़ने लगे तो इसका धरती पर क्या असर होगा? क्या हमारा ग्रह इससे बच जाएगा या फिर यह घटना मजह एक अंत की शुरुआत होगी? इससे और भी सवाल आते हैं कि अगर सूर्य का प्रकाश अचानक गायब हो जाए तो धरती सौरमंडल से बाहर हो जाएगी या फिर सारा जीवन नष्ट हो जाएगा। हमारा सूर्य ही धरती पर जीवन का आधार है। अगर सूर्य की चमक जरा भी कम हो जाए तो यह हमारे ग्रह के लिए बहुत ही विनाशकारी साबित होगा। सौरमंडल में मौजूद सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं जिससे उनका समय और जीवन की संभावना तय होती है।

क्या होगा इसका असर?

वैज्ञानिकों का कहना है कि सूर्य की चमक में बहुत छोटा बदलाव भी धरती पर रहने वाले ज्यादातर जीवों को मार सकता है। हालांकि, सब कुछ रातोंरात खत्म नहीं होगा क्योंकि कुछ ऐसे जीव हैं, जो समुद्र के सबसे गहरे हिस्सों में रहते हैं और बिना सनलाइट के जिंदा रहते हैं।

सबसे पहला नुकसान किसे होगा?

अगर ऐसा होता है तो मानव जाति सबसे आगे होगी और उस पर विलुप्त होने का सबसे बड़ा खतरा होगा। सूर्य के कमजोर पड़ने से हमारा ग्रह पूरी तरह ठंडा हो जाएगा, मौसम बदल जाएंगे और दिन बहुत ठंडे होंगे।

अचानक गायब हुआ तो क्या होगा?

यह धरती के लिए सबसे खराब कंडिशन होगी। सूर्य के गायब होते ही 8 मिनट बाद धरती पर अंधेरा छा जाएगा। इस पर ग्रैविटी का असर भी पड़ेगा और धरती अपनी जगह से दूर जा सकती है। तापमान बहुत तेजी से नीचे गिरेगा और महासागर जम जाएंगे, जिसके बाद सारा जीवन लगभग जल्दी खत्म हो जाएगा।

अब स्कूल में पढ़ाएगी एआई रोबोट टीचर 17 साल के लड़के ने कर दिखाया कमाल

लखनऊ। जरा सोचिए आप क्लास में बैठे हों और अचानक टीचर की जगह एक ह्यूमनॉइड रोबोट अंदर आए...मुस्कुराए, अपना नाम बताए और पढ़ाना शुरू कर दे। बच्चों को समझ आए या न आए, इतना तो पक्का है कि मोबाइल उठाकर वीडियो बनाना भूल जाएंगे। यही नजारा इन दिनों उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के एक स्कूल में सच में देखने को मिल रहा है, जहां 17 साल के आदित्य कुमार ने ऐसा कमाल किया है, जिसने पूरे देश का ध्यान खींच लिया है।

सोफी क्या-क्या कर सकती है?

- क्लास में बोलकर पढ़ाती है।
- बच्चों के सवाल समझकर जवाब देती है।
- बेसिक मैथमेटिक्स हल करती है।
- दुनिया की सबसे ऊंची इमारत जैसे सामान्य जीके सवालों के जवाब देती है।
- हिन्दी में बातचीत करती है।
- जल्द ही लिखकर जवाब देने की क्षमता भी जोड़ दी जाएगी।

बच्चों की प्रतिक्रिया 'मैडम की जगह मशीन

स्कूल में जब पहली बार सोफी को छात्रों के बीच लाया गया तो बच्चे पहले तो डर गए, फिर हंस पड़े और आखिर में वीडियो बनाते हुए बोल उठे, 'मैडम तो फुल एआई निकली.'स्टाफ भी हैरान हैं कि एक 17 वर्षीय छात्र ने इतनी सीमित संसाधनों में इतना उन्नत एआई टीचर बना दिया।

आदित्य ने कैसे किया यह कमाल?

17 साल के आदित्य बताते हैं कि उन्होंने सोफी को तैयार करने में उन्हीं बड़ा भाषा मॉडल (एलएलएम) चिपसेट्स का उपयोग किया है, जिनका इस्तेमाल बड़ी कंपनियां हाई-टेक रोबोट्स में करती हैं। सोफी अभी सिर्फ वॉयस आउटपुट देती है, लेकिन आदित्य का दावा है कि वह जल्द ही लिखने की क्षमता भी जोड़ देंगे। आदित्य कहते हैं, 'हम इसे लगातार ट्रेन कर रहे हैं। अभी सोफी सिर्फ बोलती है, लेकिन जल्द ही लिख भी सकेगी।'

कौन है सोफी? स्कूल की नई 'एआई मैडम'

बुलंदशहर के शिवचरण इंटर कॉलेज में अब सिर्फ इंसानी टीचर नहीं, बल्कि एक स्मार्ट एआई टीचर भी पढ़ाती है।..सोफी. सोफी कोई साधारण पुतला नहीं, बल्कि बड़ा भाषा मॉडल चिपसेट पर आधारित एक एडवांस्ड एआई रोबोट है, जिसे आदित्य ने सिर्फ 25,000 रुपए में तैयार किया है। वीडियो में सोफी बड़े आत्मविश्वास से अपना परिचय देती है, 'मैं एक एआई टीचर रोबोट हूं. मेरा नाम सोफी है और मेरा निर्माण आदित्य ने किया है।' यानी साफ है कि ये 'मैडम' काफी गर्व के साथ अपना नाम बताती हैं।

कैसे काम करती है ये आई टीचर

एआई की दुनिया में एलएलएम वही तकनीक है, जिस पर दुनिया की टॉप कंपनियां अपने चैटबॉट्स और रोबोट्स तैयार करती हैं। आदित्य ने इसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सोफी को ट्रेन किया है।

100 साल बाद इंसान कैसे दिखेंगे?

भविष्य पर रिसर्च ने खोले चौंकाने वाले राज

एजेंसी ▶▶ लंदन

कल्पना कीजिए, यदि आपकी हड्डियां टूटने की बजाय रबर की तरह मुड़ने लगें और आपके दांत मजबूत चोंच जैसे बन जाएं। यह सुनने में साइंस फिक्शन जैसा लगता है, लेकिन हालिया वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार अगले 100 वर्षों में इंसान आज की तुलना में काफी अलग दिखाई दे सकते हैं। बदलता जलवायु, बढ़ती टेक्नोलॉजी और लगातार जारी इवोल्यूशन मानव शरीर में बड़े परिवर्तन ला सकता है।

दांतों का आकार बदलकर चोंच जैसा

शेफील्ड यूनिवर्सिटी के डॉक्टर के अनुसार मानव दांतों में भी बड़ा बदलाव संभव है। पफरफिश से प्रेरित होकर भविष्य के इंसान चोंच जैसी मजबूत संरचना वाले दांत विकसित कर सकते हैं। 2023 में स्तनधारियों की दंत विविधता और पुनर्जीवित दांतों पर हुई शोध से संकेत मिलता है ।

रबर जैसी हो सकती हैं हड्डियां

वैज्ञानिकों को ऐसे संकेत मिले हैं कि भविष्य में इंसानों की हड्डियां शार्क के कार्टिलेज जैसी मजबूत और बेहद लचीली हो सकती हैं। न्यूरोसाइंटिस्ट डीन बर्नेट का कहना है कि आने वाले समय में हड्डियां शॉक को बेहतर तरीके से झेल पाएंगी, जिससे चोट और फ्रैक्चर कम होंगे। 2023 में किए गए 31,000 स्केलेटल एक्स-रे के एआई आधारित विश्लेषण में ऐसे जीन पहचाने गए हैं जो हड्डियों को फ्लेक्सिबल बनाते हैं। साथ ही, 2025 की जेनेटिक रिपोर्ट बताती है कि कुछ जीन वेरिएंट कंधों की चौड़ाई और पैरों की लंबाई तक बदल सकते हैं।

दिमाग बनेगा सुपर कंप्यूटर

मानव मस्तिष्क शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में तेज गति से विकसित हो रहा है। 2023 की एक स्टडी बताती है कि इवोल्यूशन दिमाग को सुपरकंप्यूटर जैसी क्षमताएं देने की दिशा में ले जा रहा है। फ्यूचरिस्ट इयान पियर्सन के अनुसार 2050 तक ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस तकनीक इंसानों की न्यूरल एक्टिविटी को मशीनों से जोड़ देगी, जिससे अधिक तेज सीखने की क्षमता, बेहतर मेमोरी और जटिल समस्याओं को तुरंत हल करने की क्षमता संभव होगी। एमआईटी और ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुए प्रयोगों से चूहों में मेमोरी ट्रांसफर और नॉन-न्यूरल सेल्स में मेमोरी स्टोर करने की संभावनाएं पहले ही दिख चुकी हैं। 2024 और 2025 की स्टडीज़ बताती हैं कि आने वाले समय में इंसान वर्किंग मेमोरी को न सिर्फ तेज कर सकेंगे, बल्कि इसे बाहरी माध्यमों पर भी स्टोर कर पाएंगे।

लंबे समय तक पड़े सूखे से तबाह हुई थी सिंधु घाटी की सभ्यता

लंदन। सिंधु घाटी सभ्यता के धीरे-धीरे खत्म होने का एक बड़ा कारण लगातार पड़े भयंकर सूखे की एक श्रृंखला हो सकती है जो 85 साल से भी ज्यादा समय तक चली। यह एक चौंकाने वाली लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा खोजी गई बात है। यह खोज कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट नाम की पत्रिका में छपे एक रिसर्च में सामने आई है। इस रिसर्च ने अब तक का सबसे मजबूत सबूत दिया है कि यह महान सभ्यता अचानक खत्म नहीं हुई ,बल्कि यह सदियों तक धीरे-धीरे कमजोर होती गई और लुप्त हो गई।

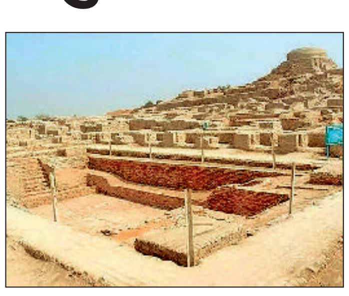

कैसे हुआ सभ्यता का अंत?

लेखकों ने बताया कि सिंधु घाटी सभ्यता का अंत किसी एक बड़ी और अचानक घटना से नहीं, बल्कि यह सभ्यता धीरे-धीरे कमजोर होती गई और इसी धीमी गिरावट के कारण अंत हुआ। इस गिरावट में लंबे समय तक पड़े सूखे ने सबसे अहम भूमिका निभाई। ये नतीजे बताते हैं कि पर्यावरण में बदलाव सबसे मजबूत समाजों को भी बदल सकता है।

क्या थी ये स्टडी?

5,000 से 3,000 साल पहले इस इलाके में मौसम कैसा था यह जानने के लिए उन्होंने कंप्यूटर मॉडल का इस्तेमाल किया। उन्होंने इस मॉडल को असली सबूतों के साथ मिलाया जिसमें भारत की 2 गुफाओं से मिले स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स की जांच की। उत्तर-पश्चिम भारत की 4 झीलों में पानी का स्तर समय के साथ कैसे बदला इसका रिकॉर्ड देखा।

अध्ययन में क्या बताया गया?

इस अध्ययन में बताया गया कि इन लंबे सूखे के कारण लोगों के रहने की जगह पर क्या असर पड़ा। सिंधु घाटी के सभ्यता के लोग ज्यादा बारिश वाले इलाकों में रहते थे। सूखे के कारण लोगों ने अपनी जगह बदलनी शुरू कर दी। समुदाय सिंधु नदी के और करीब जाने लगे।

कितनी पुरानी है ये सभ्यता?

सिंधु घाटी सभ्यता आज के उत्तर-पश्चिम भारत और पाकिस्तान में 5,000 से 3,500 साल पहले थी. इस सभ्यता को मुख्य रूप से इसके शहरों को व्यवस्थित बनाने और जल प्रबंधन के एडवांस तरीके के लिए जाना जाता है। पहले की रिपोर्टों में बताया गया है कि इनके शहरों में पानी की सप्लाई के लिए शानदार नालियां और पानी के बड़े भंडार बने हुए थे।

नाक में निकला 'टेप का रहस्यमयी गोला'

35 सालों से महिला की नाक में फंसी थी ये चीज जब डॉक्टर ने निकाला तो हर कोई दंग रह गया

ब्यूनस आयर्स। सोचिए...कोई चीज आपके शरीर के भीतर 35 साल तक छिपी रहे और आपको पता भी न चले। कैंडेला रेबॉड नाम की महिला के साथ ठीक यही हुआ। हर बार जब वह सांस लेने में दिक्कत महसूस करती, उन्हें लगता 'शायद मुझे कोई पुरानी बीमारी है' लेकिन असलियत इतनी अजीब और रहस्यमयी थी कि जानकर अच्छे-अच्छों की सांसें रुक जाएं। अर्जेंटीना की कैंडेला दो बच्चों की मां और एक हेल्थ इन्फ्लुएंसर हैं। उन्हें बचपन से ही नाक से पूरी तरह सांस लेने में परेशानी होती थी। एक तरफ की नाक जैसे हमेशा आधी बंद रहती, लेकिन उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि परेशानी का कारण उनकी नाक के अंदर चिपका टेप का मोड़ा हुआ गोला हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी की और लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद जो चीज बाहर निकली, उसे देखकर खुद डॉक्टर भी सन्न रह गए...नाक के अंदर टेप, वो भी 35 साल पुराना।

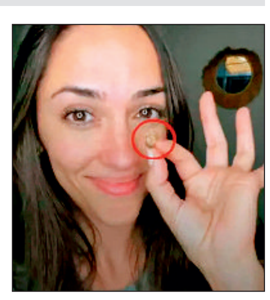

नाक में टेप केस

कैंडेला को याद तक नहीं कि यह वहां कैसे पहुंचा। परिवार से बात करने पर शक एक ही जगह गया...1990 में जन्म के समय। जब वह नवजात थीं, उन्हें सांस की तकलीफ हुई थी और डॉक्टर्स ने नाक में नली डाली थी।. शायद तभी टेप का टुकड़ा गलती से अंदर रह गया और वही 35 साल तक भीतर चिपका रहा।

मुंह से सांस लेने की आदत पड़ गई थी : कैंडेला हंसते हुए कहती हैं, 'शायद जिंदगीभर मुंह से सांस लेने का कारण वही टेप था।' शारीरिक गतिविधि, नींद, जॉगिंग...हर चीज में उन्हें दिक्कत होती थी।

'हमारी लाइफ जितनी परफेक्ट दिखती है, उतनी होती नहीं'

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों अचानक एक वीडियो वायरल होने लगा। वीडियो में एक महिला 'जो एक आईएएस अधिकारी की पत्नी हैं' बड़ी सहजता से अपनी जिंदगी का सच बताती नजर आती हैं। हम अक्सर मान लेते हैं कि अफसरों के परिवारों की लाइफ ग्लैमरस, सुकूनभरी और परेशानी-रहित होती है, लेकिन इस महिला की बातों ने लोगों की वह सोच एक झटके में बदल दी। उनकी सादगी ने ही वीडियो को इतना रिलेटेबल बना दिया कि देखते-देखते लाखों लोग इसे शेयर करने लगे।

वायरल वीडियो में वह कहती हैं कि आईएएस अधिकारी की पत्नी होना जिंदगी को आसान नहीं बना देता। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'हमारी लाइफ बाहर से जितनी आसान दिखती है, असल में उतनी नहीं होती। कई बार बोरियत, खालीपन और खुद की पहचान खो देने का डर भी होता है।' यही वजह थी कि उन्होंने कुछ 'अपने लिए' करने का फैसला किया और इसी सोच से शुरू हुई उनकी सोशल मीडिया जर्नी...एक छोटा-सा कदम, जो अब लाखों दिलों तक पहुंच चुका है। पहले उन्होंने सिर्फ टाइम पास के लिए वीडियोज बनाना शुरू किया था। रोजमर्रा की बातें, छोटे-छोटे व्लॉग्स और वो पल जो आमतौर पर हम नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन धीरे-धीरे लोगों को उनकी सादगी, ईमानदारी और पॉजिटिविटी इतनी पसंद आई कि उनका कंटेंट वायरल होने लगा। लोगों को यह देख आश्चर्य हुआ कि आईएएस परिवार के पीछे भी वही संघर्ष, वही भावनाएं और वही अकेलापन हो सकता है, जो सामान्य लोगों की जिंदगी में होता है। वीडियो पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा, 'पहली बार किसी ने खुलकर बताया कि अफसरों के परिवार भी इंसान होते हैं।'

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com